राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 22 मार्च 2026 वर्ष-9,अंक-56 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रैली रूट

START

अशोका ईन्टर नेशनल स्कुल द्वारकेश विहार कौशल पार्क तलंगपोर रोड से साई भुपत जलाराम → निलकंठ सोसायटी → काली माता मंदिर → पालीगाम → डायमंड गेट → ओवर ब्रीज के निचे से → रामदेव मेडिकल → खोडियार माता मन्दिर → जगन्नाथ मन्दिर → सुभाषचौक → कनकपुर से सचिन चार रस्ता → मुल्ला डाईंग → उन पाटिया → भेस्तान चार रस्ता → प्रियंका टाऊनशीप मलबेरी सर्कल → बड़ौदगाम अम्बेडकर चौक → तिरुपति सर्कल → मिलन पोईन्ट बमरोली → तेरेनाम रोड सम्राट कोरपोरेशन मे विलय

नोट - कार्यक्रम में आप सभी समय से सपरिवार जरुर आए और अपने सगे संबंधियों मित्रों को भी आमंत्रित करे धन्यवाद।

सिंगर

लोकगायक - धनंजय कुशवाहाजी (बिहार), प्रदीप मौर्यजी (अमेठी), मुकेश मौर्यजी (सूरत)

रैली रुट

START

सम्राट कोर्पोरेशन, सुखिनगर से → तेरे नाम तीन रस्ता → श्याम मंदिर अलथान ↩ डी-मार्ट → कैलाश चोकड़ी → पुलिस कालोनी → पियुष पोईन्ट → हरिनगर मौर्या मार्बल → मढी खमणी → उधना स्टेशन → नीलगिरी सर्कल गोड़ादरा चार रस्ता → साई पोईंट → नवागाम डिंडोली (मौर्य मानव सेवा चेरीटेबल ट्रस्ट) शिवहीरा नगर (गरनाला ब्रिज) → उधना तीन रास्ता → दक्षेश्वर BRTS लक्ष्मी नारायण ईन्डस्ट्रीयल, लीयो कलासीस के सामने, (लक्ष्मीनारायण मंदिर के पास BRC उधना) → (END - समापन...)

पुष्पवर्षा एवं जलपान पॉईंट

1. मौर्या बाटीचोखा (तेरेनाम चोकडी) 2. निलेश कटलरी (दत्तकुटीर, विजयानगर) 3. मौर्या मार्बल (हरिनगर) 4. अम्बिका हार्डवेयर (गोडादरा)

पारिवारिक स्नेह मिलन समारोह, संगीत, सभा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

नोट : रैली समापन के बाद सभी लोगों को परिवार सहित भोजन करके ही जाना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नीला सोना(जल): संकट, समाधान और संकल्प

(लेखक- सुनील कुमार महला / ईएमएस)

(22 मार्च विश्व जल दिवस पर विशेष आलेख)।

भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा। पाठकों को बताता चलूं कि केंद्रीय भूजल रिपोर्ट (2024) के अनुसार, देश के 440 जिलों में भूजल में नाइट्रेट की मात्रा अधिक पाई गई है, जो 2017 में 359 जिलों में थी। 15,239 नमूनों में से 19.8त्न में नाइट्रेट सुरक्षित सीमा (45 मिलीग्राम/लीटर) से अधिक पाया गया है। राजस्थान (49%), कर्नाटक (48%) और तमिलनाडु (37%) में यह समस्या अधिक गंभीर है। देश में भूजल निष्कर्षण की दर 60.4% तक पहुँच चुकी है, जो चिंताजनक है। अतः इन परिस्थितियों में जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक हो गया है। छोटे-छोटे प्रयास-जैसे नल बंद रखना, वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का संरक्षण-हजारों-लाखों लीटर पानी बचा सकते हैं।

प्रतिवर्ष 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में, यह संयुक्त राष्ट्र द्वारा समर्थित एक वैश्विक पहल है, जिसकी शुरुआत वर्ष 1993 से हुई थी। दरअसल, इस दिवस का विचार वर्ष 1992 में रियो-डी-जनेरियो में आयोजित पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के दौरान सामने आया था। कहना ग़लत नहीं होगा कि जल पंचमहाभूतों-जल, अग्नि, वायु, पृथ्वी और आकाश में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व है, जिसके बिना जीवन की कल्पना असंभव है।शायद इसी कारण से यह कहा गया है-जल ही जीवन है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि सतत विकास(सस्टेनेबल डेवलपमेंट) के 17 लक्ष्यों (एसडीजी) में भी सभी के लिए स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता की उपलब्धता को वर्ष 2030 तक सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।

भारतीय संस्कृति और परंपराएं, प्राचीन सभ्यताओं का विकास तथा धरती पर जल की उपलब्धता-

भारतीय परंपरा और वेद-शास्त्रों में जल की महत्ता को विशेष रूप से स्वीकार किया गया है। सृष्टि निर्माण में अग्नि के पश्चात जल तत्व का स्थान बताया गया है। रहीम जी का प्रसिद्ध दोहा-रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून , जल के महत्व को सरल शब्दों में स्पष्ट करता है। संस्कृत में भी कहा गया है-जलस्य रक्षणम् अनिवार्यम्, विना जलं सर्वं नश्येत्। इतिहास साक्षी है कि प्राचीन सभ्यताएँ-सिंधु, नील, दजला और फरात आदि नदियों के किनारे ही विकसित हुईं, जो जल के महत्व को रेखांकित करती हैं। पाठक जानते हैं कि हमारी पृथ्वी(नीले ग्रह) का लगभग 70त्न भाग जल से आच्छादित है, किंतु इसमें से मात्र 3त्न ही मीठा जल है, और उसका भी अधिकांश भाग जमे हुए या दुर्गम रूप में उपलब्ध है। यही कारण है कि जल संरक्षण आज अत्यंत आवश्यक हो गया है। विश्व जल दिवस का उद्देश्य स्वच्छ जल और स्वच्छता तक पहुंच सुनिश्चित करना, जल के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इस सीमित संसाधन का संरक्षण करना है। यह दिन जल से जुड़े वैश्विक संकटों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए समर्पित है।

वर्ष 2026 की थीम 'जल और लैंगिक समानता' :-

वर्ष 2024 में 31वाँ विश्व जल दिवस 'शांति के लिए जल' थीम के साथ मनाया गया, जबकि 2025 का विषय 'ग्लेशियर संरक्षण' रखा गया था। उल्लेखनीय है कि ग्लेशियर पेयजल, कृषि, ऊर्जा और पारिस्थितिकी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस साल यानी कि वर्ष 2026 की थीम 'जल और लैंगिक समानता' रखी गई है, जिसका नारा है- जहाँ जल बहता है, वहीं समानता बढ़ती है। वास्तव में, यह थीम इस तथ्य को उजागर करती है कि जल संकट का सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है, क्योंकि विश्व में जल लाने की 80त्न जिम्मेदारी उन्हीं पर होती है। जिन क्षेत्रों में स्वच्छ जल उपलब्ध होता है, वहाँ लड़कियों की शिक्षा दर में लगभग 15% वृद्धि देखी गई है।

आज विश्व की लगभग 2.2 अरब आबादी सुरक्षित पेयजल से वंचित-

'वर्चुअल वॉटर' की अवधारणा जल उपयोग की गंभीरता को दर्शाती है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार एक कप कॉफी के उत्पादन में लगभग 140 लीटर पानी खर्च होता है। वहीं पर, एक स्मार्टफोन के निर्माण में लगभग 12,000 लीटर और एक किलो पनीर बनाने में लगभग 5,000 लीटर पानी लगता है। नवीनतम आंकड़ों (2026) के अनुसार, विश्व की लगभग 2.2 अरब आबादी सुरक्षित पेयजल से वंचित है और 3.5 अरब लोग बुनियादी स्वच्छता से दूर हैं। वैश्विक मीठे जल का 70त्न उपयोग कृषि में होता है, जबकि असुरक्षित जल के कारण हर वर्ष लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है।

भारत में जल महोत्सव-8 से 22 मार्च तक -

भारत में 'जल जीवन मिशन' के तहत 8 से 22 मार्च तक 'जल महोत्सव' मनाया जा रहा है, जिसकी टैगलाइन है- गाँव का उत्सव, देश का महोत्सव। साथ ही 'ब्लू पीस', 'स्पंज सिटी', डिजिटल वाटर प्रबंधन और स्मार्ट सेंसर जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से जल संरक्षण की दिशा में नए प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे सिंचाई में 40% तक जल बचत का लक्ष्य रखा गया है। राजस्थान के पारंपरिक जल संरचनाएँ जैसे कि टांका और खड़ीन भी जल संरक्षण के प्रभावी मॉडल के रूप में पुनर्जीवित की जा रही हैं। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान समय में तीव्र शहरीकरण, औद्योगीकरण, अस्थिर कृषि पद्धतियाँ, जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा और अत्यधिक जल दोहन जैसे कारकों ने जल संकट को गंभीर बना दिया है। आज जित देखो तित भूजल स्तर लगातार गिर रहा है और प्रदूषण के कारण जल की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। झरने, बावड़ियाँ, जोहड़ और टांका जैसे पारंपरिक जल स्रोत उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं, जिनके संरक्षण की तत्काल आवश्यकता है। भारत विश्व की 18% आबादी का पोषण करता है, जबकि उसके पास मात्र 4% जल संसाधन हैं। पिछले 40 वर्षों में वैश्विक जल उपयोग लगभग 1% प्रतिवर्ष की दर से बढ़ा है। अनुमान है कि 2050 तक जल संकट से प्रभावित शहरी आबादी 1.7 से 2.4 अरब तक पहुँच सकती है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा। पाठकों को बताता चलूं कि केंद्रीय भूजल रिपोर्ट (2024) के अनुसार, देश के 440 जिलों में भूजल में नाइट्रेट की मात्रा अधिक पाई गई है, जो 2017 में 359 जिलों में थी। 15,239 नमूनों में से 19.8% में नाइट्रेट सुरक्षित सीमा (45 मिलीग्राम/लीटर) से अधिक पाया गया है। राजस्थान (49%), कर्नाटक (48%) और तमिलनाडु (37%) में यह समस्या अधिक गंभीर है। देश में भूजल निष्कर्षण की दर 60.4% तक पहुँच चुकी है, जो चिंताजनक है। अतः इन परिस्थितियों में जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक हो गया है। छोटे-छोटे प्रयास-जैसे नल बंद रखना, वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का संरक्षण-हजारों-लाखों लीटर पानी बचा सकते हैं। आज जल का अंधाधुंध व असीमित दोहन किया जा रहा है,इस क्रम में यहां महात्मा गांधी का कथन भी प्रासंगिक है- प्रकृति सबकी आवश्यकताएँ पूरी कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच को नहीं।

अंततः, यह स्पष्ट है कि जल के बिना न तो जीवन संभव है, न ही सतत विकास। यदि समय रहते हम जल संरक्षण के प्रति सजग नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए संकट और गहरा होगा। भारतीय संस्कृति में नदियों को माँ का दर्जा दिया गया है-गंगा, यमुना, नर्मदा, कावेरी-जो जल के प्रति हमारी श्रद्धा को दर्शाता है।

इसलिए यह बहुत ही आवश्यक व जरूरी है कि हम जल को संरक्षित करें,इसे प्रदूषण से बचाएँ और इसके महत्व को समझें, क्योंकि सच यही है-जल है तो कल है।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)

संपादकीय

सीवर में मौतें

सदियों की लाचारी और समाज की संवेदनहीनता के चलते हाथ से सीवर की सफाई की अमानवीय प्रथा बदस्तूर जारी है। जारी ही नहीं है बल्कि मजबूर सफाई कर्मियों की मौत का सबब भी बनी हुई है। निश्चय ही यह घिनौनी प्रथा किसी भी सभ्य समाज के लिये एक कलंक के समान ही है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि हाथ से सीवर लाइन साफ करने की प्रथा मजबूर लोगों की लगातार जान ले रही है। हाल ही में लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े इस समस्या के भयावह पक्ष को ही उजागर करते हैं। केंद्र सरकार की ओर बीते सप्ताह लोकसभा में बताया गया कि साल 2017 से अब तक देश में सीवर और सेप्टिक टैंक साफ करते हुए 620 से अधिक सफाईकर्मियों की मौत हो चुकी है। कहना कठिन है कि ये आंकड़े वास्तविक हैं और सभी मौतों को देश में रिपोर्ट किया जा रहा है। ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में ठेकेदार दिहाड़ीदार सफाई कर्मियों की मौत को रफा-दफा करने का प्रयास करते हैं। कुछ चतुर-चालाक लोग परिजनों की मजबूरी को भांपते हुए छोटी-मोटी रकम देकर मामले पर पर्दा डाल देते हैं। ऐसे मामले शायद ही सामने आते हों कि सरकार के सख्त निर्देशों के बावजूद सफाईकर्मियों से सीवर व सेप्टिक टैंक की सफाई करवाने वाले ठेकेदार व स्थानीय निकाय के अधिकारियों को दंडित किया गया हो। क्या किसी लोकतांत्रिक समाज में किसी मजबूर सफाईकर्मी के जीवन का कोई मूल्य नहीं है? निस्संदेह, लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े घोर लापरवाही को ही उजागर करते हैं। विडंबना यह भी है कि जहां करीब 539 परिवारों को पूरा मुआवजा मिला है, वहीं करीब 52 परिवारों को कोई पैसा नहीं मिला। निर्विवाद रूप से किसी मृत सफाई कर्मी के परिजनों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता कोई दान नहीं है, बल्कि समाज का एक कानूनी और नैतिक दायित्व भी है। जब इस जरूरी सहायता में कोई कमी रह जाती है तो हमारी व्यवस्थागत उदासीनता ही उजागर होती है। निस्संदेह, यह कष्टकारी स्थिति साल 2047 में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प पर सवालिया निशान लगाती है। वहीं सरकारी दावा है कि मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार निषेध और उनके पुनर्वास अधिनियम, 2013 में किए गए एक सर्वेक्षण में देशभर के किसी भी जिले में हाथ से मैला साफ करने वाले सफाईकर्मी नहीं पाए गए हैं। सवाल ये है कि जब हाथ से सफाई करने वाले सफाई कर्मचारी देश में नहीं हैं तो सीवर व सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस के चपेट में आकर लोगों के मरने की खबरें कैसे आ रही हैं? यह दुखद ही है कि बीते मंगलवार को छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित एक प्रमुख अस्पताल में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन सफाई कर्मचारियों की दर्दनाक मौत हो गई। सीवर-सेप्टिक टैंक की सफाई में मशीन के उपयोग को बढ़ावा देकर मैनुअल स्कैवेंजिंग को खत्म करने के उद्देश्य से ही सरकार द्वारा साल 2023-24 में शुरू की गई राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकीय तंत्र यानी नमस्ते परियोजना को अभी भी लंबा रास्ता तय करना है। केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने पिछले दिनों स्वीकार किया था कि मशीनीकरण के कारण दक्षता या सफाई व्यवस्था में सुधार के जरूरी संकेतक अभी तक पहचान में नहीं आए हैं। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग को पिछले वर्ष वेतन का भुगतान न होने, सुरक्षा उपकरणों की कमी और जाति आधारित भेदभाव को लेकर करीब 842 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। जो इस बात का प्रमाण हैं कि समस्या की जड़ें बहुत गहरे रूप में विद्यमान हैं। हालांकि सरकारी दावा है कि सफाई का काम व्यवसाय पर आधारित है। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि सदियों से हाशिये पर पड़े समुदायों के श्रमिकों के बूते ही सफाई व्यवस्था चलायी जा रही है।

विकास की अंधी दौड़ में कहीं प्यासी न रह जाएं हमारी आने वाली पीढ़ियां

(लेखक - दिलीप कुमार पाठक)

22 मार्च विश्व जल दिवस)

विश्व जल दिवस यह कैलेंडर की कोई साधारण तारीख नहीं है, बल्कि हमारे वजूद की सबसे बुनियादी सच्चाई से रूबरू होने का एक गंभीर अवसर है। सुबह की पहली चाय की महक से लेकर रात को सुकून की नींद से पहले पिए गए पानी के उस आखिरी ठंडे घूँट तक, जल हमारे जीवन के हर कतरे और हमारी हर कोशिका में समाया हुआ है। ज़रा ठहरकर सोचिए, उस जल के बिना हमारा क्या वजूद रह जाएगा? वह जल जो प्यासे कंठ को तृप्ति देता है, तपती धरती की सदियों पुरानी प्यास बुझाता है और एक नन्ही सी कोपल को विशाल वृक्ष बनने का हौसला और पोषण देता है। हम अक्सर इसे महज़ एक संसाधन कह देते हैं, पर सच तो यह है कि यह एक पवित्र रिश्ता है, प्रकृति का हमसे और हमारा उन मासूम पीढ़ियों से, जिन्हें अभी इस दुनिया में कदम रखना है। बचपन की वे यादें आज भी दिल के किसी कोने में ताज़ा हैं, जब बारिश की पहली बूंद सूखी मिट्टी पर गिरती थी और एक सोंधी सी खुशबू पूरे घर के आँगन और रूह को महका देती थी।

वह खुशबू दरअसल जीवन के मुस्कुराने की पहली आहट थी, जो हमें बताती थी कि कुदरत अभी हमसे रूठी नहीं है। लेकिन आज जब हम कंक्रीट के गगनचुंबी जंगलों में कैद होकर विकास का जश्न मना रहे हैं, तो यह कड़वी सच्चाई भूल जाते हैं कि हमने तरक्की की इस अंधी दौड़ में उन मासूम घरों को उजाड़ दिया है जहाँ कभी पानी खिलखिलाता था। ऊँची इमारतों की चकाचौंध और चमकते हुए डामर के रास्तों ने धरती की कोख पर ऐसी चादर बिछा दी है कि बादलों के आँसू अब पाताल के कलेजे तक पहुँच ही नहीं पाते।

वह समय अब एक धुंधला याद बनता जा रहा है जब गांव के कुएं, बावड़ियाँ और शहरों के तालाब समाज की सामूहिक पूंजी हुआ करते थे। हमने अपनी सुख-सुविधाओं के लिए इन प्राकृतिक बसेरों को पाट दिया और ऊपर कंक्रीट के ढांचे खड़े कर दिए। अगर हम अपना सूक्ष्म मूल्यांकन करें, तो पाएंगे कि हम उस अमृत के गुनहगार हैं जिसे हमने प्रदूषण और रसायनों से ज़हरीला बना दिया है। आज हमारी नदियाँ, जो कभी सभ्यताओं की जननी हुआ करती थीं, उद्योगों का कचरा और शहर की गंदगी ढोने वाली बेजान नहरें बनकर रह गई हैं। भू-जल का बेहिसाब दोहन पाताल को खाली कर रहा है और हम बोतलों में बंद पानी खरीदकर खुद को सुरक्षित समझने के भ्रम में जी रहे हैं। यह संकट केवल सूखे हुए हैंडपंपों का नहीं है, बल्कि हमारी मरती हुई मानवीय संवेदनाओं का है। नीति आयोग और दुनिया भर की संस्थाएं बार-बार डे ज़ीरो की भयावह चेतावनी दे रही हैं, पर हम अपने घरों के खुलते नलों और वाशिंग मशीनों के शोर में उन चीखों को अनसुना कर रहे हैं। ज़रा सोचिए, क्या हम वास्तव में अपने बच्चों को विरासत में केवल प्यास और सूखी नदियाँ देना चाहते हैं? तकनीक के इस युग में हमें यह समझना होगा कि दुनिया की कोई भी प्रयोगशाला आज तक पानी की एक बूंद भी पैदा नहीं कर सकी है। यह केवल कुदरत का वह जादुई उपहार है जिसे हम मुफ्त समझकर लुटा रहे हैं।

वह किसान जो फटी आँखों से बादलों की ओर टकटकी लगाए बैठा है, वह मां जो कोसों दूर से मटका सिर पर रखकर पानी लाती है, और वह पंछी जो सूखे ताल पर प्यास से छटपटा रहा है, इन सबकी पुकार अब हमारे कानों तक पहुँचनी ही चाहिए। जल संरक्षण अब कोई सरकारी योजना नहीं, बल्कि एक नागरिक धर्म होना चाहिए। वर्षा जल संचयन को अब शौकिया नहीं, बल्कि अनिवार्य बनाना होगा ताकि हम धरती के उस पुनर्भरण की क्षमता को फिर से जीवित कर सकें जिसे हमने छीन लिया है। एक टपकता हुआ नल केवल पानी की बर्बादी नहीं, बल्कि हमारे भविष्य की चोरी है। हमें अपनी जीवनशैली के उस हर हिस्से को बदलना होगा जहाँ हम पानी को बेशर्मी से बहाते हैं। जल ही वह अंतिम धागा है जिसने पूरी सृष्टि को एक माला में पिरोया हुआ है, और इस धागे को बचाना ही अब हमारा एकमात्र मकसद होना चाहिए। विकास की ऊँची उड़ान भरते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जिस दिन जल का स्रोत मौन हो जाएगा, उस दिन हमारी तरक्की का सारा संगीत भी हमेशा के लिए थम जाएगा। आइए, आज इस विश्व जल दिवस पर हम दिखावे के संकल्पों से ऊपर उठकर, अपने स्वभाव में पानी का सम्मान करना शुरू करें। यह धरती हमारी नहीं, बल्कि हमारे बच्चों की अमानत है जिसे हमें सुरक्षित लौटाना है। याद रखिए, प्यास का कोई विकल्प नहीं होता और जब धरती की कोख से नमी पूरी तरह खत्म हो जाएगी, तब हमारे पास पछताने के लिए पानी भी नहीं बचेगा। वक्त तेज़ी से फिसल रहा है, और पानी भी—फैसला हमें करना है कि हम बूंदों को बचाएंगे या उन्हें केवल यादों में छोड़ जाएंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

विवेक ही धर्म है

युग के आदि में मनुष्य भी जंगली था। जब से मनुष्य ने विकास करना शुरू किया, उसकी आवश्यकताएं बढ़ गईं। आवश्यकताओं की पूर्ति न होने से समस्या ने जन्म लिया। समस्या सामने आई तब समाधान की बात सोची गई। समाधान के स्तर दो थे- पदार्थ-जगत, मनो-जगत. प्रथम स्तर पर पदाथरे के सुनियोजित उत्पादन और उनकी व्यवस्था को आकार मिला। दूसरा स्तर मानसिक था। इस जगत की समस्याएं थी अपरिमार्जित वृत्तियां, असंतुलन और तनाव।

इन समस्याओं को समाहित करने के लिए धर्म की खोज हुई। धर्म का अर्थ है पारंपरिक मूल्य-मानकों से परे हटकर मनुष्य को सत्य की दिशा में अग्रसर करना। जब तक धर्म अपने इस परिवेश में रहता है, तब तक वह रूढ़ नहीं हो सकता। पर उद्देश्य की विस्मृति के साथ ही उसमें रूढ़ता आ जाती ह। रूढ़ धर्म को व्यक्ति अपने जीवंत संदभरे से काटकर परलोक के साथ जोड़ देता है। बस यहीं से धर्म में विकृति का प्रवेश होने लगता है। मैं ऐसा सोचता हूं कि धर्म का संबंध हमारी हर सांस से होना चाहिए। ऐसा वे ही व्यक्ति कर सकते हैं जो अपने जीवन की सतह पर दौड़-धूप कर रहे हैं। या फिर यह उन लोगों का काम है जो जीवन की गहराइयों में उतरकर अध्यात्म के प्रति समर्पित हो जाते हैं।

जीवन की सतह पर जीने वाले व्यक्ति धर्म की गहराई में नहीं उतर सकते, किंतु अध्यात्म के प्रयोक्ता की दृष्टि से वह गहराई छिपी नहीं रह सकती। जो व्यक्ति उतनी गहराई में उतरे, उन्हें धर्म की विकृतियों का बोध हुआ। जो धर्म मन को समाधान देने वाला था, वह स्वयं समस्या बनकर उभर गया। इस दृष्टि से उसमें संशोधन व परिवर्तन की अपेक्षा अनुभव हुई। अणुव्रत उसी आवश्यकता का आविष्कार है। यदि धर्म एक समस्या बनकर सामने नहीं आता तो उसे अणुव्रत के रूप में प्रस्तुति देने का कोई अर्थ ही नहीं था। अणुव्रत धर्म के साथ विवेक की अपरिहार्यता पर बल देता है। आगम की भाषा में विवेक ही धर्म है।

विचार मंथन

भरोसे की नीव पर टिका है, बैंकिंग सिस्टम

(लेखक-सनत जैन)

एचडीएफसी के कारण भारत का बैंकिंग सिस्टम खतरे में?

भारत के सबसे बड़े निजी एचडीएफसी बैंक इन दिनों गंभीर सवालों के घेरे में है। 1 दिन में 9 फीसदी की गिरावट ने भारत के बैंकिंग सिस्टम को हिला कर रख दिया है। एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के अचानक एथिकल कंसर्न्स के कारण इस्तीफे ने न केवल शेयर बाजार को झकझोर दिया है। बल्कि निवेशकों और बैंक में बचत खाते और एफडी में जमाकर्ताओं के भरोसे को हिला कर रख दिया है। महज एक दिन में करीब एक लाख करोड़ रुपये का बैंक को पूंजी का नुकसान होना, बैंक की साख खत्म होने का संकेत है। बैंकिंग में भरोसा ही बैंक की सबसे बड़ी पूंजी होती है। भारत के बैंकिंग सिस्टम में एचडीएफसी बैंक का जो रुतबा था वह एक ही झटके में कमजोर पड़ गया है।

इसका असर भारत के राष्ट्रीयकृत बैंकों और निजी बैंकों पर भी पड़ना तय है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया को स्थिति संभालने के लिए सामने आना पड़ा। रिजर्व बैंक को आश्वासन देना पड़ा, बैंक की वित्तीय स्थिति मजबूत है। निवेशकों और बैंक ग्राहकों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। सवाल यह है, अगर बैंक मे सब कुछ ठीक है। ऐसी स्थिति में बैंक के अध्यक्ष को नैतिक आधार पर इस्तीफा देने का मुद्दा इतना बड़ा कैसे हो गया। एक अनुभवी प्रशासक को कार्यकाल पूरा होने से पहले ही इस्तीफा देकर पद छोड़ना पड़ा? दीपक पारेख के नेतृत्व में बनी इस बैंक की पहचान हमेशा उच्च कॉर्पोरेट गवर्नेंस और पारदर्शिता के साथ कारोबार करने की रही है। एचडीएफसी मॉडल देश ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर एक आदर्श और नैतिक संस्थान के रूप में देखा गया है। ऐसे में वर्तमान घटनाक्रम उस विरासत और भरोसे पर सीधा सवाल खड़ा कर रहा है। यह संकट तकनीकी या परिचालन विफलता का नहीं है। बैंक और कंपनी के कारोबार में नैतिकता और प्रबंधन की विश्वसनीयता के संकट का भी है। बैंकिंग प्रणाली की नींव ऽट्रस्टऽ (विश्वास) पर टिकी होती है। करोड़ों लोग अपनी जीवन भर की कमाई बैंकों में इसलिए जमा करते हैं। उसे विश्वास होता है, बैंकों में जमा उसका पैसा पूरी तरह से सुरक्षित रहेगा। जब उसकी आवश्यकता होगी, बैंक तुरंत उसे वापस करेगा। जब उसी संस्था के शीर्ष स्तर के पदाधिकारी नैतिकता पर सवाल उठाते हैं।

इस स्थिति में निवेशकों और बैंक के जमाकर्ताओं का भरोसा डगमगाता है। शेयर बाजार के निवेशकों में अध्यक्ष के इस्तीफा के कारण घबराहट और बैंक के जमाकर्ताओं की चिंता इसकी प्रतिक्रिया है। हालांकि, बैंक ने इस इस्तीफे के बाद त्वरित रूप से केकी मिस्त्री को अध्यक्ष पद की अंतरिम जिम्मेदारी सौंपकर स्थिति को संभालने की कोशिश की है। केवल इस नियुक्ति से शेयर बाजार के निवेशकों और बैंक के जमाकर्ताओं का विश्वास बहाल नहीं होगा। इसके लिए पारदर्शी जांच, स्पष्ट जवाबदेही और ठोस सुधारात्मक कदम बैंक को उठाने होंगे। इस घटना का असर पूरे बैंकिंग सेक्टर को बड़ी चेतावनी है। तेजी से बढ़ते मुनाफे का लालच और बैंक के विस्तार की दौड़ में नैतिक मूल्यों की अनदेखी की गई है, तो इसके परिणाम कंपनी के लिए विनाशकारी साबित हो सकते हैं। एचडीएफसी बैंक के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती साख को पुनः स्थापित करने की है। बैंक में करोड़ों गरीबों एवं मध्यम वर्ग के लोग अपना पैसा जमा करते हैं।

बैंक को जमाकर्ताओं को ब्याज देना पड़ता है। इसके लिए बैंक जमा पूंजी का फाइनेंस भी करते हैं। यदि जमाकर्ताओं का भरोसा टूटा और सभी जमाकर्ता एक साथ बैंक से पैसा वापस लेने की लाइन में लग जाते हैं। ऐसी स्थिति में बैंक को बचा पाना भगवान के बस में भी नहीं होता है। आने वाले समय में रिजर्व बैंक और सभी बैंकों के लिए सर्तकता महत्वपूर्ण है। सभी बैंक अपनी वित्तीय स्थिति को लेकर पारदर्शिता के साथ शेयर बाजार के निवेशकों और बैंक के जमा करताओं के बीच बैंक विश्वसनीयता बनाए रखे। एचडीएफसी बैंक की यह स्थिति भारतीय बैंकिंग के इतिहास में भरोसे के सबसे बड़े संकट के रूप में देखी जा रही है।

भारत सरकार का वित्त मंत्रालय, रिजर्व बैंक, एचडीएफसी और अन्य बैंकों को इस स्थिति पर गंभीरता से विचार करना होगा।

जरा सी भी लापरवाही 2008 में जिस तरह से अमेरिका में लेहमेन ब्रदर्स की गड़बड़ी के बाद सैकड़ो बैंक दिवालिया हो गए थे। ठीक उसी तरह की स्थिति भारत में भी देखने को मिल सकती है। इसीलिए भारत सरकार और रिजर्व बैंक को बहुत ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरबीआई की एक लाख करोड़ की वीआरआर नीलामी 23 मार्च को

नीलामी सुबह साढ़े नौ बजे से 10:00 बजे के बीच होगी

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक 23 मार्च को एक लाख करोड़ रुपये की एक दिन के लिए परिवर्तनीय रेपो दर (वीआरआर) नीलामी का आयोजन करेगा। केंद्रीय बैंक के अनुसार यह नीलामी सुबह साढ़े नौ बजे से 10:00 बजे के बीच होगी और इन निधियों की वापसी 24 मार्च को होगी। आरबीआई ने वर्तमान और बदलती बैंकिंग प्रणाली की मजबूत स्थिति को

ध्यान में रखते हुए यह नीलामी आयोजित करने की घोषणा की है। वर्तमान में बैंकिंग प्रणाली में अनुमानित तरलता लगभग 16,875.36 करोड़ रुपये के अधिशेष में है। इससे पहले आरबीआई ने तीन-दिन की वीआरआर नीलामी के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली में 25,101 करोड़ रुपये की अल्पकालिक नकदी डाली है।परिवर्तनीय रेपो दर नीलामी आरबीआई की बैंकों में अल्पकालिक नकदी डालने के लिए उपयोग की जाने वाली एक मौद्रिक नीति पहल है। निश्चित रेपो दर के उलट, वीआरआर में ब्याज दर नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित की जाती है, जिससे बैंकों को धनराशि के लिए बोली लगाने की अनुमति मिलती है।

रेमंड के चेयरमैन गौतम सिंघानिया मालदीव स्पीडबोट हादसे में घायल

नई दिल्ली ।

रेमंड ग्रुप के चेयरमैन गौतम सिंघानिया मालदीव में हुए एक स्पीडबोट हादसे में घायल हो गए. दुर्घटना के बाद उन्हें एयरलिफ्ट कर मुंबई के एक अस्पताल में दाखिल कराया गया है। सिंघानिया के प्रवक्ता ने बताया कि उनकी हालत अब खतरे से बाहर है।

स्पीडबोट में कुल सात लोग सवार थे, जिनमें से दो लापता हैं। पर्यटकों को ले जा रही एक तेज रफ्तार स्पीडबोट अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस नाव में सात लोग सवार थे, जिनमें रेमंड ग्रुप के चेयरमैन गौतम सिंघानिया भी शामिल थे। स्पीडबोट पर सवार पांच भारतीय पुरुषों में से दो अभी भी लापता हैं। इनमें प्रसिद्ध रैली ड्राइवर हरि सिंह का नाम भी शामिल है। मालदीव की कोस्ट गार्ड और बचाव दल लगातार लापता लोगों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। गौतम सिंघानिया को एडवेंचर स्पोर्ट्स और तेज रफ्तार का शौकीन माना जाता है है। उन्हें दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती दाखिल कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक उन्हें कुछ खरोंच और मामूली चोटें हैं, लेकिन वह खतरे से बाहर हैं। रेमंड ग्रुप का कारोबार कपड़ा, रियल एस्टेट, इंजीनियरिंग और कंज्यूमर केयर जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ है। गौतम सिंघानिया की नेटवर्थ 11,000 करोड़ रुपये है।

मस्क पर कानूनी शिकंजा, ट्वीट्स से निवेशकों को गुमराह करने का आरोप

एलन मस्क, लग सकता है 21000 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली ।

एलन मस्क एक बार फिर कानूनी विवादों में घिर गए हैं। कैलिफोर्निया की एक संघीय जूरी ने 2022 में ट्विटर (अब एक्स) के अधिग्रहण के दौरान उनके कुछ ट्वीट्स को भ्रामक माना है। इस मामले में मस्क पर करीब 2.6 अरब डॉलर (लगभग 21,000 करोड़ रुपये) तक का जुर्माना लग सकता है। जूरी के अनुसार मस्क के कुछ ट्वीट्स ने कंपनी के शेयरों की कीमत को प्रभावित किया। उन्होंने ट्विटर पर फर्जी (स्पैम) अकाउंट्स की संख्या को लेकर सवाल उठाए और एक समय पर अधिग्रहण को होल्ड पर बताने वाला ट्वीट भी किया। इन बयानों से निवेशकों में भ्रम फैला और कई लोगों ने अपने शेयर कम कीमत पर बेच दिए। हालांकि जूरी ने मस्क को किसी बड़ी धोखाधड़ी की साजिश का दोषी नहीं ठहराया, लेकिन यह जरूर माना कि उनके कुछ बयान प्रतिभूति कानूनों का उल्लंघन करते हैं। वहीं, उनके कुछ पॉडकास्ट बयान व्यक्तिगत राय की श्रेणी में रखे गए। यह क्लास-एक्शन मुकदमा हजारों निवेशकों की ओर से दायर किया गया था। आरोप था कि मस्क ने जानबूझकर ऐसे बयान दिए जिससे कंपनी की बाजार कीमत गिरे और वे सौदे की शर्तों को बदल सकें या उससे पीछे हट सकें।

फरवरी 2026 में आठ प्रमुख उद्योगों में 2.3 फीसदी की वृद्धि, ऊर्जा क्षेत्र में गिरावट

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार भारत के आठ प्रमुख उद्योगों का सूचकांक फरवरी 2026 में पिछले वर्ष की तुलना में 2.3 प्रतिशत बढ़ा। ये आठ उद्योग कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली हैं, जो औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का 40.27 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं। जनवरी 2026 में आठ प्रमुख उद्योगों का मासिक वृद्धि दर 4.7 प्रतिशत थी। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक संचयी वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2.9 प्रतिशत रही। इस दौरान निर्माण और धातु उद्योग में मजबूत वृद्धि देखी गई। कोयला में फरवरी 2026 में 2.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। कच्चा तेल में 5.2 प्रतिशत की गिरावट देखी गई और प्राकृतिक गैस में 5.0 प्रतिशत की कमी रही। पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों में 1 प्रतिशत की गिरावट हुई।

उर्वरक का उत्पादन 3.4 प्रतिशत बढ़ा। इस्पात और सीमेंट में क्रमशः 7.2 और 9.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बिजली उत्पादन में 0.5 प्रतिशत का मामूली इजाफा हुआ। फरवरी 2026 में निर्माण और धातु उद्योग सबसे अधिक बढ़त में रहे जबकि ऊर्जा क्षेत्र की गिरावट जारी रही। कोयला और बिजली में हल्की वृद्धि हुई और उर्वरक उद्योग में मध्यम सुधार दिखा।

कुल मिलाकर फरवरी में उद्योगिक क्षेत्र में मिश्रित प्रदर्शन रहा, जिसमें निर्माण और धातु मजबूत बने और ऊर्जा क्षेत्र चुनौतीपूर्ण बना रहा। मासिक वृद्धि में सबसे अधिक सीमेंट और इस्पात ने योगदान दिया, जबकि ऊर्जा क्षेत्र में कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस में गिरावट देखी गई।

संचयी वृद्धि में इस्पात और सीमेंट का प्रदर्शन सबसे मजबूत रहा। कोयला और बिजली स्थिर और हल्की वृद्धि के साथ बने रहे, जबकि पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद और प्राकृतिक गैस में कमी दर्ज हुई।

जोमैटो बढ़ा रहा प्लेटफॉर्म फीस, प्रति ऑर्डर अब 14.90 रुपए चुकाने होंगे

मुंबई ।

जोमैटो ने अपने प्लेटफॉर्म फीस में 2.40 रुपए की बढ़ोतरी की है। अब ग्राहकों को प्रति ऑर्डर 14.90 रुपए फीस चुकानी होगी, जो पहले 12.50 रुपए थी। प्रतिद्वंदी स्विगी पहले से ही 14.99 रुपए (जीएसटी सहित) प्लेटफॉर्म फीस वसूल रहा है। कंपनी के अनुसार यह कदम ऑपरेटिंग खर्च, महंगे लॉजिस्टिक्स और मुनाफा बढ़ाने की रणनीति के कारण जरूरी है। ऐप को मेंटेन करना, नई तकनीक पर खर्च और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें डिलीवरी खर्च को बढ़ा रही हैं। 2.40 रुपए की मामूली बढ़ोतरी सुनने में कम लग सकती है, लेकिन अक्सर ऑर्डर करने वाले ग्राहकों के लिए यह हर महीने थोड़ा ज्यादा खर्च बढ़ा सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार इस मामूली बढ़ोतरी से जोमैटो को हर तिमाही लगभग 64-65 करोड़ रुपए का अतिरिक्त लाभ होगा। कंपनी का कहना है कि यह कदम दीर्घकालिक स्थिरता और सेवा में सुधार के लिए जरूरी है।

एयरलाइंस ने मुफ्त सीट चयन के सरकारी फैसले का किया विरोध

इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट ने निर्देश को वापस लेने का अनुरोध किया

नई दिल्ली ।

भारतीय विमानन मंत्रालय ने डीजीसीए (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन) को निर्देश दिए हैं कि सभी एयरलाइंस अपनी उड़ानों में कम से कम 60 फीसदी सीटें यात्रियों के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराएं। मंत्रालय ने यह कदम यात्रियों के लिए उचित पहुंच और सुविधा सुनिश्चित

करने के उद्देश्य से उठाया है। इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी प्रमुख एयरलाइंस ने इस फैसले पर कड़ा विरोध जताया है। इन तीनों एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करने वाले फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआइए) ने कहा है कि यह निर्णय विमानन क्षेत्र पर वित्तीय दबाव डालेगा। एफआईए ने नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा को लिखे पत्र में इस निर्देश को वापस लेने का अनुरोध किया। एयरलाइंस का तर्क है कि मुफ्त सीट चयन के लागू होने से उन्हें राजस्व में भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। राजस्व की हानि की भरपाई के लिए एयरलाइंस हवाई किराए बढ़ाने पर मजबूर हो सकती हैं। इसका असर सभी यात्रियों पर पड़ेगा, भले ही वे सीटों का पहले से चयन न करना चाहें। एफआईए ने कहा कि इस तरह का निर्देश अप्रत्याशित और प्रतिकूल परिणाम पैदा कर सकता है। त बढ़ोतरी से यात्रा महंगी हो सकती है।

ओप्पो फाइंड एन 6 फोल्डेबल स्मार्टफोन हुआ लांच

नई दिल्ली ।

चाइनीज कंपनी ओप्पो ने अपना नया फोल्डेबल स्मार्टफोन ओप्पो फाइंड एन 6 लॉन्च कर दिया है। कंपनी का दावा है कि इस तकनीक की मदद से फोन को खोलने पर स्क्रीन पर फोल्ड लाइन बेहद कम दिखाई देती है, जिससे यूजर्स को ज्यादा स्मूद और प्रीमियम विजुअल अनुभव मिलता है। यह बुक-स्टाइल फोल्डेबल फोन अपने खास ÷झीरो फील क्रेज÷ डिस्प्ले के कारण सुर्खियों में है। फोन में 8.12 इंच का फोल्डेबल ओलेड मेन डिस्प्ले और 6.62 इंच का अमोलेड कवर स्क्रीन दिया गया है। दोनों डिस्प्ले 120 एचझेड तक की एडैप्टिव रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करते हैं, जिससे स्क्रॉलिंग और वीडियो देखने का अनुभव अधिक बेहतर हो जाता है। यह स्मार्टफोन स्नैपड्रेगन 8 इलाइट जेन 5 प्रोसेसर पर आधारित है, जो 3 एनएम तकनीक के साथ तेज और शक्तिशाली परफॉर्मेंस देने में सक्षम है। स्मार्टफोन में 16जीबी तक

एलपीडीडीआर5एक्स रैम और 1 टीबी तक यूएफएस 4.1 स्टोरेज का विकल्प मिलता है। यह डिवाइस एंड्राएड 16 आधारित कलरओएस 16 ऑपरेटिंग सिस्टम पर काम करता है। फोटोग्राफी के लिए इसमें हैसलब्लैड ट्यूनिंग के साथ क्वाड रियर कैमरा सेटअप दिया गया है, जिसमें 200 मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर शामिल है।

चीन में इसके 12जीबी प्लस 256जीबी वेरिएंट की कीमत करीब 9,999 युआन (लगभग 1.34 लाख रुपये) रखी गई है, जबकि 16जीबी प्लस 512जीबी और 1टीबी वेरिएंट की कीमत इससे अधिक है।

यह फोन डीप ब्लैक, गोल्डन ऑरेंज और ओरिजनल टाइटेनियम रंगों में उपलब्ध होगा और 20 मार्च से चीन में बिक्री के लिए पेश किया जाएगा।

फोन में 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड और 50 मेगापिक्सल का टेलीफोटो कैमरा भी दिया गया है, जो 3एक्स ऑप्टिकल और 120एक्स डिजिटल जूम सपोर्ट करता है। फोन में 6,000 एमएएच की बैटरी दी गई है, जो 80वॉट वायर्ड और 50वॉटवायरलेस चार्जिंग सपोर्ट करती है। कनेक्टिविटी के लिए इसमें 5जी, वायफाय, ब्लूटूथ 5.4, एनएफसी और यूएसबी टाइप-सी जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

माइक्रोफाइनैंस क्षेत्र के लिए 20 हजार करोड़ की क्रेडिट गारंटी योजना शुरू

सरकार ने छोटे और मध्यम एमएफआई को ध्यान में रखकर बनाई योजना

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने माइक्रोफाइनैंस संस्थानों (एमएफआई) के लिए 20,000 करोड़ रुपए की क्रेडिट गारंटी योजना शुरू की है। यह योजना 20 मार्च 2026 से 30 जून 2026 तक या कुल गारंटी सीमा पूरी होने तक लागू रहेगी। इसका मुख्य उद्देश्य एमएफआई सेक्टर में नकदी की कमी को दूर करना और बैंकों के माध्यम से ऋण प्रवाह को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी बैंकों को एमएफआई को दिए गए ऋण पर गारंटी कवर प्रदान करेगी। छोटे एमएफआई (500 करोड़ रुपए से कम एयूएम) को 80 फीसदी तक, मध्यम (500-2000 करोड़ रुपए) को 75 फीसदी और बड़े संस्थानों को 70 फीसदी तक गारंटी मिलेगी। यह व्यवस्था खास तौर पर छोटे और मध्यम एमएफआई को ध्यान में रखकर बनाई गई है, जिन्हें ऋण प्राप्त करने में अधिक कठिनाई होती है। योजना के तहत मिलने वाली फंडिंग केवल नए ऋणों के लिए होगी और इसका उपयोग पुराने कर्ज चुकाने में नहीं किया जा सकेगा। इससे वास्तविक आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। पिछले कुछ समय में एमएफआई को बैंकों से मिलने वाले ऋण में लगभग 70 फीसदी की गिरावट आई है। इसके चलते करीब 50 लाख उधारकर्ता औपचारिक वित्तीय सेवाओं से वंचित हो गए हैं। हालांकि पोर्टफोलियो गुणवत्ता में सुधार हुआ है, फिर भी नकदी संकट बना हुआ है। सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए ब्याज दरों पर सीमा तय की है कि लाभ अंतिम उधारकर्ताओं तक पहुंचे। बैंकों द्वारा दिए जाने वाले ऋण पर

ब्याज दर बाह्य बेंचमार्क या 1-वर्षीय एमसीएलआर में अधिकतम 2 फीसदी अतिरिक्त तक सीमित रहेगी। यह योजना बैंकों का भरोसा बढ़ाने, ऋण प्रवाह सुधारने और वित्तीय समावेशन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

कच्चे तेल में नरमी, भारत में प्रीमियम पेट्रोल और थोक डीजल महंगे

वैश्विक तनाव घटने से तेल सस्ता, लेकिन भारत में प्रीमियम ईंधन की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजो मिन नेतनयाहू द्वारा ईरान की ईंधन सुविधाओं पर आगे हमले से बचने की प्रतिबद्धता जताने के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का भाव 119 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 105 डॉलर प्रति बैरल तक आ गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ राहत देखने को मिली। हालांकि, वैश्विक कीमतों में नरमी के बावजूद भारत में तेल विपणन कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़ा दिए हैं। इं डियन आइल कारपोरेशन, भारत पेट्रो लियम और हिंदुस्तान पेट्रो लियम ने प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में 2 से 2.35 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि की है। नई दिल्ली में इंडियन ऑयल के एक्सपी 95 पेट्रोल की कीमत बढ़कर 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गई है। यह ईंधन उच्च ऑक्टेन रेटिंग के कारण बेहतर प्रदर्शन वाले वाहनों के लिए उपयोग किया जाता है। कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। देश में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं।

सीबीडीटी ने नए इनकम टैक्स नियम नोटिफाई किए, 1 अप्रैल से होंगे लागू

बेंगलूरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद भी 50 फीसदी एचआरए छूट की श्रेणी में शा मिल

नई दिल्ली ।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर नियम, 2026 को अधिसूचित कर दिया है, जो नए आयकर अधिनियम, 2025 के तहत 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे। इन नियमों में वेतन कराधान, अनुपालन खुलासा, ट्रांसफर प्राइसिंग और विदेशी कर क्रेडिट से जुड़े कई अहम बदलाव किए गए हैं। बसे बड़ा बदलाव हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) से जुड़ा है।

अब बेंगलूरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद को भी 50 फीसदी एचआरए छूट की श्रेणी में शामिल किया गया है। इससे पहले यह सुविधा केवल मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई जैसे मेट्रो शहरों तक सीमित थी। बाकी शहरों के लिए एचआरए छूट की सीमा 40 फीसदी ही रहेगी। इस कदम से उभरते महानगरों में बढ़ते किराये के बोझ को औपचारिक मान्यता मिली है। हालांकि, नोएडा और गुरुग्राम जैसे उच्च किराया वाले शहर अभी भी इस सूची से बाहर हैं। नए नियमों में नियोक्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के कराधान को भी स्पष्ट किया गया है।

अब इन्हें छोटी पेट्रोल या डीजल कार के बराबर माना जाएगा, जिससे परिक्विजिट टैक्स की गणना आसान होगी। इसके

अलावा, बीमा प्रीमियम से जुड़े वित्तीय लेनदेन की रिपोर्टिंग सीमा में बदलाव किया गया है।

अब बीमा कंपनियों को 5 लाख रुपये से अधिक के प्रीमियम (जहां पैन उपलब्ध है) और 2.5 लाख रुपये से अधिक (जहां पैन उपलब्ध नहीं है) के मामलों की जानकारी देनी होगी। कुल मिलाकर, नए नियम कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने और शहरी आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप ढालने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं।

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह भर रहा उतार-चढ़ाव, हल्की रिकवरी पर हुआ बंद

वैश्विक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की कीमतों का बाजार पर पड़ा प्रभाव

मुंबई ।

20 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार में तेजी और मंदी का मिश्रित दृश्य देखा गया। हफ्ते की शुरुआत में सेंसेक्स और निफ्टी में मजबूत उछाल देखने को मिला, लेकिन मध्य सप्ताह में बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और घरेलू दबावों के चलते बाजार में भारी बिकवाली हुई।

अंततः शुक्रवार को बाजार ने मामूली रिकवरी के साथ सप्ताह का समापन किया। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को हुई, जब ब्लू-चिप शेयरों जैसे एचडीएफसी बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में मजबूत खरीदारी से सेंसेक्स 938.93 अंक बढ़कर 75,502.85 पर और निफ्टी 257.70 अंक बढ़कर 23,408.80 पर बंद हुआ। उसी दिन रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट देखी गई, जो 92.43 पर बंद हुआ।

मंगलवार को भी बाजार हरे निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 567.99 अंक बढ़कर 76,070.84 और निफ्टी 172.35 अंक बढ़कर 23,581.15 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपये में 14 पैसे की गिरावट के बावजूद बाजार की बढ़त जारी रही। बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और वैश्विक बाजारों में मजबूती के चलते बाजार ने पिछले दो सत्रों की बढ़त को बरकरार रखा।

बीएसई सेंसेक्स 633.29 अंक बढ़कर 76,704.13 पर और निफ्टी 196.65 अंक बढ़कर 23,777.80 पर बंद हुआ। लेकिन गुरुवार को अचानक भारी बिकवाली देखने को मिली। सेंसेक्स 2,496.89 अंक गिरकर 74,207.24 पर और निफ्टी 775.65 अंक गिरकर 23,002.15 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और फेडरल रिजर्व की कड़ी नीति इस गिरावट के प्रमुख कारण रहे। शुक्रवार को बाजार ने रिकवरी दिखाई।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, आईटी और धातु शेयरों में मजबूत खरीदारी से सेंसेक्स 325.72 अंक बढ़कर 74,532.96 पर और निफ्टी 112.35 अंक बढ़कर 23,114.50 पर बंद हुआ। हालांकि रुपये में गिरावट जारी रही।

सोने की कीमतों में छह साल का सबसे खराब हफ्ता रहा

अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड और डॉलर मजबूत होने से सोने पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा

मुंबई।

वैश्विक संकट के समय आमतौर पर सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है, क्योंकि इसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। लेकिन हाल के हफ्तों में हालात अलग नजर आ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना शुक्रवार को लगभग 4,660 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रहा, जबकि पूरे हफ्ते में इसकी कीमत में करीब 7 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। यह मार्च 2020 के बाद सोने का सबसे खराब साप्ताहिक प्रदर्शन माना जा रहा है। विश्लेषकों के मुताबिक ईरान में जारी संघर्ष के कारण तेल और गैस की कीमतों में तेजी आई है, जिससे महंगाई बढ़ने की आशंका बनी हुई है। इस वजह से ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम हो गई है और निवेशक सोने से दूरी बना रहे हैं। 28 फरवरी को ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ने के बाद से हर हफ्ते सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड और डॉलर मजबूत होने के कारण सोने पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है। निवेशक अब सोने में निवेश करने के बजाय अन्य विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। गोल्ड आधारित एक्सचेंज ट्रेडेड

फंड्स (ईटीएफ) से लगातार निकासी जारी है। इस साल की शुरुआत में जो अतिरिक्त निवेश आया था, वह अब लगभग पूरी तरह बाहर निकल चुका है। इतिहास पर नजर डालें तो 2022 में भी ऐसा ही रुझान देखने को मिला था। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद तेल की कीमतों में उछाल आया और सोने की कीमतों में लंबी गिरावट आई। उस समय लगातार सात महीने तक सोना कमजोर रहा, जो इसके इतिहास की सबसे लंबी गिरावट मानी गई। हालांकि हालिया गिरावट के बावजूद इस साल सोने की कीमतों में लगभग 8 फीसदी की बढ़त बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर ईरान संघर्ष लंबा खिंचता है, तो बाजार का ध्यान महंगाई से हटकर आर्थिक मंदी के जोखिम पर जाएगा। ऐसी स्थिति में सोने की मांग फिर बढ़ सकती है और कीमतों में दोबारा तेजी देखने को मिल सकती है।

सीएमपीडीआईएल आईपीओ को पहले दिन 7 फीसदी ही सब्सक्रिप्शन

आईपीओ की कुल पेशकश 1,842 करोड़ रुपए की और इसमें 10.71 करोड़ शेयर शामिल

नई दिल्ली ।

सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल), जो कि कोल इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है, ने अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) जारी किया है। कंपनी की स्थापना 1975 में हुई थी और यह कोयला तथा खनिज अन्वेषण, खदान योजना और डिजाइन सेवाओं के साथ-साथ परामर्श और सहायता सेवाएं प्रदान करती है। सीएमपीडीआईएल का यह आईपीओ पूरी तरह से कोल इंडिया के शेयर बेचने (ओएफएस) के माध्यम से है, जिसमें कोई नया शेयर निर्गम शामिल नहीं है। आईपीओ की कुल पेशकश 1,842 करोड़ रुपए की है और इसमें 10.71 करोड़ शेयर शामिल हैं। शेयरों का मूल्य दायरा 163-172 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है, जिससे ऊपरी सीमा पर कंपनी का मूल्यांकन लगभग 12,280 करोड़ रुपए होता है। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, ढ्ढक्क्ष के पहले दिन कुल 52,44,320 शेयरों के लिए बोली आई, जबकि कुल पेशकश 7,97,89,500 शेयर की थी। इसका अर्थ है कि आईपीओ का

सब्सक्रिप्शन केवल 7 फीसदी हुआ। गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए निर्धारित कोटे पर मात्र 5 फीसदी ही बोली मिली। सीएमपीडीआईएल ने पहले ही एंकर निवेशकों से 470 करोड़ रुपए जुटा लिए हैं। आईपीओ की प्रक्रिया 24 मार्च तक जारी रहेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल 2026 : विराट कोहली की आरसीबी को चेतावनी, बोले- अब मुकाबला और कठिन होगा

मुम्बई (एजेंसी)। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रही है। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजी के सुपरस्टार विराट कोहली ने अपनी टीम को एक प्रेरक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने टीम से सतर्क रहने और प्रशिक्षण के दौरान अपने दिनों को बर्बाद न करने का आग्रह किया, क्योंकि खिताब का बचाव करते समय उनके लिए चीजें और भी कठिन होने वाली हैं।

आरसीबी 28 मार्च को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने खिताब का बचाव शुरू करेगी। नंबर 18 की जर्सी पहने विराट कोहली ने आरसीबी के प्रति वफादार रहते हुए अपने 18वें सीजन में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था। अब उनकी नजर बल्ले से एक और धमाकेदार प्रदर्शन पर होगी जो दर्शकों को खुश रखेगी और आंकड़ों के विश्लेषकों को व्यस्त रखेगी। सीजन के पहले अभ्यास सत्र के दौरान टीम को संबोधित करते हुए विराट ने आरसीबी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पिछले साल हमने जो हासिल किया, उसके लिए हमने पिछले दो-तीन सीजन में कड़ी मेहनत की है, और अब यह और भी कठिन होने वाला है क्योंकि अन्य टीमें हमें कड़ी टक्कर देने वाली हैं।

शुरुआत से ही उच्च मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि हम इन दिनों को व्यर्थ नहीं जाने देंगे। हम आगे रहेंगे। इसलिए अभी से तैयार हो जाइए। हम जिस भी सत्र में भाग लें, उसका एक मिनट भी बर्बाद न करें। हमें इन ढाई महीनों में अपना 120 प्रतिशत देना होगा। फ्लावर ने कहा कि हमारी नीलामी काफी दिलचस्प रही, और सच कहूँ तो मुझे लगता है कि हमने अपनी टीम को और मजबूत किया है। हमने कुछ बेहतरीन नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है। विराट और रजत (पाटीदार) की अगुवाई में स्थापित खिलाड़ियों के साथ उन्हें आरसीबी की शैली में ढालना इस टीम को बनाने का एक रोमांचक हिस्सा है।

इरफान पठान की पसंदीदा सीएसके टीम में धोनी को नहीं मिली जगह, सरफराज शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने आईपीएल के 19 वें सत्र के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की अपनी पसंदीदा अंतिम ग्यारह चुनी है। हैरानी की बात है कि इरफान ने इस टीम में पांच बार टीम को खिताब जिताने वाले कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को शामिल नहीं किया है। इरफान ने इसमें धोनी की जगह पर सरफराज खान को रखा है। रुतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया है पर जिस प्रकार से उन्होंने टीम में धोनी को जगह नहीं दी है उससे सभी हैरान हैं।सीएसके टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में राजस्थान रॉयल्स से खेलेगी।

इरफान का कहना है कि नंबर-6 पर बल्लेबाजी के लिए सरफराज सही विकल्प हैं। साथ ही कहा कि धोनी अगर बल्लेबाजी में कोई बड़ी जिम्मेदारी उठाने को तैयार हैं तो ठीक है नहीं तो सरफराज को नंबर-6 पर अवसर मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'अगर धोनी कहते हैं कि वो नियमित खेलेंगे तो बात अगल है पर अगर उनका खेलना तय नहीं है तो विकल्प जरुरी है। सवाल उठता है कि क्या वो हर मैच खेलेंगे या नहीं? मैं काफी समय से कह रहा हूं कि उनका केवल दो ओवर के लिए मैदान में आना उनके प्रशंसकों को तो अच्छा लगता है, लेकिन टीम को इसका ज्यादा लाभ नहीं मिलता। अगर धोनी को खेलना है, तो उन्हें चार ओवर खेलने चाहिए, तभी टीम को लाभ होगा। अगर वो नहीं खेलते हैं, तो वह भी ऐसी टीम चाहेंगे जिसमें बल्लेबाजों को पूरा अवसर मिले?'

इरफान पठान की पसंदीदा टीम

आयुष म्हात्रे, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, कार्तिक शर्मा, प्रशांत वीर, अकील हुसैन, मैट हेनरी, नूर अहमद, खलील अहमद (इम्पैक्ट प्लेयर)।

शुभमन की कप्तानी में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में उतरेगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ जून में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम उतरेगी। इस टीम में सभी प्रमुख खिलाड़ी उतरेंगे और किस को भी आराम नहीं दिया जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार ये टेस्ट मैच 6 जून से न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस टेस्ट के बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी खेली जाएगी। रिपोर्ट्स के अनुसार चयनकर्ता इस मैच में किसी भी तरह का प्रयोग नहीं करते हुए मुख्य टीम ही उतारना चाहते हैं। टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे प्रमुख तेज गेंदबाजों को भी शामिल किया जाएगा।

यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह सीरीज आईपीएल 2026 के तत्काल बाद खेली जाएगी जबकि ऐसे समय में कमजोर टीम के खिलाफ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जाता है पर इस बार बोर्ड ने साफ कर दिया है कि टेस्ट क्रिकेट में किसी तरह की लापरवाही नहीं चलेगी।

भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में टेस्ट में अच्छा नहीं रहा है। भारत ने बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज जीती पर उसे न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका व ऑस्ट्रेलिया से हार मिली। इसी कारण विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र में भारत की स्थिति अच्छी नहीं है। टीम ने 9 मैचों में सिर्फ 4 जीत के साथ ही अंक तालिका में छठे स्थान पर है।

बीसीसीआई ने चयन समिति को अगले एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियों में लगाया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी से अगले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम की तैयारियों पर नजर रखना शुरु कर दिया है। इसी के तहत ही इस बार अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति को आईपीएल में खेल रहे उन खिलाड़ियों पर नजर रखने को कहा है जो एकदिवसीय विश्वकप के लिए संभावितों में शामिल हैं। इससे साफ है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी। ये दोनो ने ही एकदिवसीय विश्वकप खेलने की इच्छा जतायी है।

पांच राष्ट्रीय चयनकर्ता इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखेंगे। चयनसमिति में एस.एस दास, आर.पी सिंह, अजय रात्रा और प्रज्ञान ओझा शामिल हैं। एकदिवसीय विश्वप अक्टूबर और नवंबर 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाने वाला है। इसी के लिए चयनकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में मैच देखेंगे।

अगरकर मुंबई में रहते हैं, दास कोलकाता में जबकि आरआर सिंह और रात्रा एनसीआर में, और ओझा बेंगलुरु और हैदराबाद में आईपीएल मैच देखेंगे। बोर्ड चाहता है कि हर चयनकर्ता सप्ताह में कम से कम एक मैच देखे, वहीं बेच हुए मैच टीवी पर देखे जा सकते हैं। इस दौरान चयनकर्ता किसी नए आईपीएल स्टार को एकदिवीसय कप के लिए नहीं देखेंगे। वे केवल उन विशेष खिलाड़ियों पर नजर रखेंगे जो एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में रखे जाने है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा अभी तक फिट नहीं होने के कारण आईपीएल से बाहर हैं ऐसे में बचे हुए चार तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पर सबकी नजरें रहेंगी।

चयन पैनल बीसीसीआई की उपसमिति और चयनकर्ताओं का अनुबंध इस साल सितंबर तक है। अगरकर का अनुबंध सितंबर में समाप्त होना है। ऐसे में बीसीसीआई देखेगा कि अगरकर को आगे भी रखा जाये या किसी अन्य को ये जिम्मेदारी दी जाये। नियमों के अनुसार एक वरिष्ठ चयनकर्ता चार साल तक रह सकता है और उसे करार आगे बढ़ाने के लिए अनुरोध करने की जरूरत नहीं होती है। अगरकर जुलाई 2023 में चयनसमित के अध्यक्ष बने थे ऐसे में अगले साल सितबंर में उनके चार साल हो जाएंगे।

पथिराना के आईपीएल खेलने की संभावना से केकेआर को मिली राहत

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। पाथिराना को श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने फिट घोषित कर दिया है। बोर्ड के सचिव बंदुला दिसानायके ने कहा है कि पथिराना फिट हो गये है और उसे आईपीएल में खेलने के लिए एनओसी भी दे दी गयी है। पथिराना के फिट होने से उनकी आईपीएल फ्रैंचाइजी कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को भी राहत मिली है। वह टी20 विश्वकप के दौरान पिंडली की चोट से परेशान थे। इससे केकेार की भी परेशानी बढ़ गयी थी। वहीं अब उनका फिट होने से टीम का गेंदबाजी आक्रामक बेहतर होगा।

केकेआर का गेंदबाजी आक्रमक पहेल ही हर्षित राणा के बाहर होने से कमजोर हुआ था। इसके अलावा टीम से बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को पहले ही बाहर कर दिया गया था। ऐसे में उसके लिए पथिराना की वापसी जरुरी हो गयी थी। टीम ने हालांकि विकल्प के तौर पर जिम्बाब्वे के तेज़ गेंदबाज़ ब्लेसिंग मुजरबानी को शामिल किया है,। इसके अलावा आकाश मधवाल और नवदीप सैनी को भी रखा है पर पथिराना जैसा गेंदबाज उसके पास नहीं था। पथिराना अपने अजीब एक्शन और यॉर्कर के कारण किसी भी मुकाबले में अंतर पैदा कर देते हैं। कठिन हालातों में विकेट निकालने की उनकी क्षमताएं उन्हें एक अलग तरह का गेंदबाज बनाती है। ऐसें में उनके आने से केकेआर की गेंदबाज बेहतर होगी।

अवार्ड समारोह में जो इलेक्ट्रिक ब्लू रंग की ड्रेस पहनकर पहुंची थी मंधाना वह है विशेष

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना खेल के साथ ही अपने स्टायलिश अंदाज के कारण चर्चाओं में बनी रहती हैं। मंधाना हाल ही में बीसीसीआई के साल 2024-25 सत्र के अवार्ड समारोह में जब पहुंची थीं तब उनकी 4.50 लाख रुपये की खास ड्रेस सभी देखते रह गये थे। मंधाना जब सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर के अवॉर्ड के लिए मंच पर पहुंची तो उन्होंने इलेक्ट्रिक ब्लू रंग की चमकती ड्रेस पहनी हुई थी। ये उनकी ऊर्जा और आत्मविश्वास को बताती है। इस ड्रेस को सिल्क नहीं, बल्कि मेटल वायर से तैयार किया जाता है। ये ड्रेस पिघली धातु जैसी चमकती नजर आती है। इसे बनाने में कॉर्डेड टेक्स्चर तकनीक इस्तेमाल होती है, जिससे सतह पर उभरा हुआ स्ट्रक्चर बनता है और रोशनी पड़ने पर बिजली जैसी लकीरें दिखती हैं। इसकी कीमत तकरीबन 4.50 लाख रुपए पड़ती है। कई सप्ताह की मेहनत के बाद फैब्रिक बेस पर सिलकर तैयार किया जाता है। ये वायर 0.45 मिमी (बाल जितने पतले) होते हैं। हजारों वायर को फैब्रिक बेस पर सिलकर कपड़ा तैयार किया गया। इसके बाद सख्त धातु को इस तरह प्रोसेस किया जाता है कि वह मुलायम और पहनने लायक बन जाए।

दिल्ली कैपिटल्स के क्षेत्ररक्षण कोच बने मूनी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल के 19 वें सत्र के लिए आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जॉन मूनी को क्षेत्ररक्षण कोच बनाया है। मूनी से पहले ये जिम्मेदारी ज्ञानेश्वर राव के पास थी। मूनी को कोच के तौर पर काफी अनुभव है । वह वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के

कोच रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एशिया कप के दौरान अफगानिस्तान टीम के कोच की जिम्मेदारी संभाली थी। टीम में सहायक कोच के तौर पर मूनी मुख्य कोच हेमांग बदानी के साथ काम करेंगे। टीम में उनके अलावा मुनाफ पटेल गेंदबाजी कोच, इयान बेल सहायक कोच है। मूनी ने आयरलैंड की ओर से 64 एकदिवीसीय और 27 टी-20 मैच खेले हैं। दिल्ली कैपिटल्स पिछले सत्र में पांचवें स्थान पर रही थी और अब तक कोई भी आईपीएल खिताब उसने नहीं जीता है। आईपीएल की शुरुआत 28 मार्च को हो रही है। दिल्ली कैपिटल्स का लक्ष्य इस बार बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। पिछले सत्र में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं था। पिछले सत्र में टीम के मेंटोर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन रहे थे। पीटर ने इस बार मेंटोर की जिम्मेदारी संभालने से इंकार कर दिया था। पीटरसन ने कहा, मैं इस आईपीएल सत्र में दिल्ली कैपिटल्स का मेंटोर नहीं बन सकता। मैं इस काम के लिए जरूरी समय नहीं दे सकता। इस सत्र के लिए सभी खिलाड़ियों को मेरी शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, हालांकि मैं आपको कमेंट्री बॉक्स करते हुए नजर आउंगा। साथ ही कहा कि आईपीएल दुनिया की सबसे अच्छी लीग है और मैं आप सभी से जल्द मिलने का मुझे बेसब्री से इंतजार है।'' दिल्ली कैपिटल्स अपने आईपीएल 2026 सत्र की शुरुआत एक अप्रैल को लखनऊ में इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच से करेगा।

कर्स्टन ने पाकिस्तान टीम के कोच पद छोड़ने के कारणों का खुलासा किया

-पीसीबी अधिकारियों के हस्तक्षेप से काम करना था मुश्किल

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच गैरी कर्स्टन इससे पहले पाकिस्तान टीम के भी मुख्य कोच रहे थे पर उन्हें कोच बनने के कुछ समय के अंदर ही अपना पद छोड़ना पड़ा था। कर्स्टन ने अब इसके कारणों का खुलासा किया है। इस पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर का कहना है कि जब वह पाकिस्तान के कोच थे तो हालात इतने अधिक खराब थे कि उनके लिए काम करना कठिन हो गया था। कर्स्टन के

अनुसार पाक बोर्ड पीसीबी के अधिकारियों को कामकाज में दखला बना रहता था। कोच अपने तौर पर फैसले नहीं ले पाता था। । पाकिस्तान क्रिकेट टीम अपने लगातार बदलते कप्तानों और कोचों की वजह से चर्चा में रहती है। गैरी कर्स्टन को भी पीसीबी ने बड़े शोर गुल के साथ पाकिस्तान टीम का हेड कोच बनाया था, लेकिन उनका कार्यकाल भी निश्चित समय तक नहीं चल सका। कर्स्टन ने इसकी वजह बताई है। कर्स्टन ने कहा है कि टीम के मामलों में बाहरी दबाव इतना अधिक था कि खिलाड़ियों के साथ एक स्थिर माहौल बनाना संभव नहीं था। जिससे वह परेशान हो गये थे। मुझे नहीं लगता कि मैंने इसे पहले कभी उस स्तर पर ऐसा देखा है।

उन्होंने कहा कि जब परिणाम टीम के हिसाब से नहीं होते, तो कोच सबसे पहले निशाने पर होता है। ऐसी हालातों में टीम के साथ काम करना संभव नहीं था।

साथ ही कहा कि पीसीबी अनुबंध का सही से पालन नहीं कर रहा था। बकाया राशि भी नहीं मिल रही थे। इन कारणों से भी उन्हें पद छोड़ना पड़। इससे पहले वह भारतीय टीम के भी कोच रहे थे। टी20 विश्व कप 2026 में श्रीलंका टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद मुख्य कोच सनथ जयसूर्या के इस्तीफे के बाद उन्हें कोच की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। वह अगले माह से अपना पद संभालेंगे।

रवांडा की 15 साल की फैनी सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाली महिला क्रिकेटर बनी

लागोस। रवांडा की 15 साल की फैनी उतागुशिमानिंदे ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। फैनी ने नाइजीरिया इनविटेशनल महिला टी20 टूर्नामेंट में घाना के खिलाफ ये शतक लगाया। फैनी उम्र अभी केवल 15 साल और 223 दिन ही है। इसी के साथ ही फैनी महिला टी20आई इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बन गयी हैं। उन्होंने पारी के 18वें ओवर में शतक लगाया। फैनी से पहले ये रिकार्ड युगांडा की प्रोस्कोविया अलाको के नाम था। प्रोस्कोविया ने साल 2019 में 16 साल और 233 दिन की उम्र में माली के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी। फैनी ने इस बार नाबाद 111 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया की करेन रोल्टन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2005 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 96 रन बनाए थे। फैनी के रिकॉर्ड शतक की सहायता से रवांडा ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 210 रन बनाये। इसके बाद घाना को 8 विकेट पर 88 रन ही बना पायी और उसे 122 रन से हार का सामना करना पड़ा। वहीं पुरुष टी20आई में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड फ्रांस के गुस्ताव मैक्योन के नाम है। उन्होंने 2022 में स्विट्जरलैंड के खिलाफ 18 साल और 280 दिन की उम्र में शतक लगाया था।

वैभव को मीडिया से दूर रहते हुए खेल पर ही ध्यान देना चाहिये : रियान

-दबाव में न आते हए निडर होकर खेलें

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के नये कप्तान रियान पराग ने कहा है कि टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल सत्र में मीडिया से दूरी बनाये रखते हुए अपनी बल्लेबाजी पर ही ध्यान देना चाहिये। रायल्य की टीम 30 मार्च को अपने आईपीएल अभियान की शुरुआत चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले से करेगी। आईपीएल में पिछले सत्र में वैभव ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था और रियान को उम्मीद है कि वह इस बार भी ऐसा ही प्रदर्शन करेंगे। पराग के अनुसार वैभव पर सभी की नजरें रहेंगी। ऐसे में उन्हें दबाव से बचना होगा। उन्होंने कहा, ÷इस साल स्वाभाविक रूप से इस उभरते खिलाड़ी पर दबाव रहेगा पर मेरा मानना है कि उसे किसी भी बात पर ध्यान दिये बिना निडर होकर खेलना चाहिये। उसे किसी बात की चिंता नहीं करते हुए अपना स्वाभाविक खेल खेलना है। कप्तान के तौर पर मैं उसे कहूंगा कि वह मीडिया से दूर रहकर खेल पर ही ध्यान दें।÷

उन्होंने पिछले आईपीएल सत्र में पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। इसके बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में शतक लगाया था। इसके अलावा अंडर-19 विश्व कप में भी बेहतर प्रदर्शन किया था। वैभव के लिए ये सत्र आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि विरोधी टीमों के निशाने पर वह रहेंगे। उनकी कमजोरियों पर इन टीमों के गेंदबाज प्रहार करेंगे। पूर्व क्रिकेटर लक्ष्मीपति बालाजी ने कहा, ÷दूसरा सत्र किसी भी बल्लेबाजी के लिए हमेशा कठिन होता है। वहीं वैभव का लक्ष्य इस बार सबसे अधिक स्कोर का क्रिस गेल का रिकार्ड तोड़ना रहेगा।

आईपीएल2026:इन 5 भारतीय गेंदबाजों पर रहेंगी खास नजरें, अच्छा प्रदर्शन दिला सकता है वनडे वर्ल्ड कप 2027 का टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। Board of Control for Cricket in India ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियां अभी से शुरू कर दी हैं। चयन समिति ने करीब 20 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिनकी फॉर्म और फिटनेस पर आईपीएल 2026 के दौरान कड़ी नजर रखी जाएगी। खास बात यह है कि इस बार चयनकर्ता सिर्फ टीवी पर नहीं, बल्कि मैदान पर मौजूद रहकर खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखेंगे।

आईपीएल 2026 में चयनकर्ताओं का रडार और वेन्यू रोटेशन

28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 के लिए चयन समिति ने एक विशेष स्काउटिंग प्लान तैयार किया है। इस चयन समिति में

एसएस दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और प्रज्ञान ओझा शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हर चयनकर्ता हर हफ्ते कम से कम एक मैच स्टेडियम में जाकर देखेगा, जिससे हर हफ्ते लगभग पांच मैचों का सीधा आकलन किया जा सके। इस बार फोकस नए खिलाड़ियों की खोज पर नहीं, बल्कि पहले से स्थापित खिलाड़ियों के प्रदर्शन और फिटनेस के डेटा पर रहेगा।

इन 5 तेज गेंदबाजों पर सबसे ज्यादा नजर

चयनकर्ताओं ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए तेज गेंदबाजों की एक कोर टीम तैयार की है। जिन पांच खिलाड़ियों पर सबसे ज्यादा नजर रहने वाली है, उनमें Jasprit Bumrah, Mohammed Siraj, Prasidh Krishna, Arshdeep Singh और ऑलराउंडर Hardik Pandya शामिल हैं। हर्षित राणा फिलहाल घुटने की चोट से उबर रहे हैं, ऐसे में पेस अटैक की जिम्मेदारी इन अनुभवी खिलाड़ियों पर रहने वाली है।

2027 वनडे वर्ल्ड कप पर पूरा फोकस

दिलचस्प बात यह है कि बोर्ड फिलहाल 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक या टी20 वर्ल्ड कप के बजाय पूरी तरह से 2027 वनडे वर्ल्ड कप पर फोकस कर रहा है। इसी वजह से खिलाड़ियों की फिटनेस, वर्कलोड मैनेजमेंट और लगातार प्रदर्शन पर खास ध्यान दिया जाएगा, ताकि वर्ल्ड कप से पहले एक मजबूत टीम तैयार हो सके।

अफगानिस्तान टेस्ट में नहीं होगा कोई प्रयोग

6 जून से मुल्ल्रांपुर में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच को लेकर भी BCCI ने अपना रुख साफ कर दिया है। हालांकि यह मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है, फिर भी भारत इस मैच में अपनी फुल स्ट्रेंथ टीम उतारेगा और किसी नए खिलाड़ी पर प्रयोग नहीं किया जाएगा।

BCCI के एक सूत्र ने कहा, 'इंडिया की टेस्ट कैप प्रयोग के लिए नहीं है। उसके लिए इंडिया-ए के दौरे होते हैं। टेस्ट में बुमराह, सिराज और प्रसिद्ध हमारी पहली पसंद हैं।'

आईपीएल प्रदर्शन से तय होगा वर्ल्ड कप का रास्ता

आईपीएल2026 कई खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम होने वाला है। इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन के आधार पर ही 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की कोर टीम लगभग तय होगी। ऐसे में इस सीजन में खासकर तेज गेंदबाजों और ऑलराउंडर्स के प्रदर्शन पर चयनकर्ताओं की सबसे ज्यादा नजर रहने वाली है।

गेंदबाजी कोच कोच भरत अरुण के आने से सुपरजायंट्स को लाभ होगा : ऋषभ

लखनऊ । लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा है कि नए गेंदबाजी कोच कोच भरत अरुण के आने से टीम को लाभ होगा। ऋषभ ने कहा, तेज गेंदबाजों के साथ अभ्यास शिविर अच्छा रहा है। जब से भरत अरुण टीम से जुड़े है सभी खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ा है, वह हर खिलाड़ी के प्रदर्शन पर नजरें रखते हुए अपने सुझाव देते हैं। उनके साथ हर मामले में हमारी बातें होती हैं। वह इसका ध्यान रखते हैं कि मैं गेंदबाजों से क्या चाहता हूं और उन्हें क्या लगता है कि वह टीम में क्या जोड़ सकते हैं। माहौल बहुत ही सकारात्मक है। वह सबसे बेहतरीन गेंदबाज कोच में से एक हैं और मुझे उन पर पूरा भरोसा है। अरुण का अनुभव और गेंदबाजों के साथ उनका तालमेल, खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाने और उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए ये बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, वह अपना अनुभव साथ लाते हैं। गेंदबाज उन पर भरोसा करते हैं और उनसे खुलकर बात करते हैं, एक गेंदबाज कोच से से सभी यही चाहते हैं। इससे टीम के सिस्टम को और मजबूती मिलती है। जब हम पिछले सत्र पर नजर रखते हैं, तो हमें लगा था कि हमें अपनी गेंदबाजी में कुछ और सुधार करने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

सेनेगल में समलैंगिकता पर सख्ती बढ़ी, डर के साये में जी रहे लोग

डकार, एजेंसी। सेनेगल की राजधानी डकार में एक युवा अपनी पहचान छिपाकर रहने को मजबूर है। उसे डर है कि पुलिस उसे पकड़ लेगी। उसके परिवार ने उसे घर से निकाल दिया है और उसके एक दोस्त से पुलिस पूछताछ भी कर चुकी है। यह युवा टूबा शहर का रहने वाला है, जो सूफ़ी मुस्लिम आस्था का बड़ा केंद्र है। वह अभी एक ऐसे दोस्त के साथ रह रहा है, जिसे उसकी सच्चाई का पता नहीं है। सेनेगल में समलैंगिकता पहले से ही गैरकानूनी है। अब वहां की सरकार इसके लिए जेल की सजा को और बढ़ाने की तैयारी कर रही है। इस वजह से वहां के लोगों में बहुत ज्यादा खौफ है। अफ्रीका के आधे से ज्यादा देशों में समलैंगिकता के खिलाफ कड़े कानून लागू हैं। हाल के वर्षों में युगांडा ने तो इसके लिए मौत की सजा तक का प्रावधान कर दिया है, जिसकी पूरी दुनिया में आलोचना हुई थी। अब सेनेगल भी सजा को और सख्त बनाने वाले देशों की सूची में शामिल हो गया है। वहां के लोग अपनी सुरक्षा को लेकर काफी चिंतित हैं।

फ्रांस लिब्रे– फ्रांस का नया परमाणु चलित युद्धपोत

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने देश के नए परमाणु ऊर्जा से चलने वाले विमानवाहक पोत का नाम 'फ्रांस लिब्रे' रखा है। यह जहाज 2038 तक तैयार होगा और इसमें लगभग 30 राफेल लड़ाकू विमान और 2000 सैनिक रहेंगे। इसकी लागत करीब 10 अरब यूरो बताई गई है। मैक्रों ने कहा कि यह नाम फ्रांस की आजादी और ताकत का प्रतीक है। यह जहाज फ्रांस की सैन्य शक्ति को और मजबूत करेगा और खासकर मध्य–पूर्व क्षेत्र में उसकी मौजूदगी बढ़ाएगा।

टेक्सास में मालगाड़ी के कई डिब्बे पटरी से उतरे

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में एक मालगाड़ी के कई डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे इथेनॉल का रिसाव हुआ। यह घटना रिचमंड शहर के पास हुई, लेकिन राहत की बात है कि इसमें कोई घायल नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि रिसाव को जल्दी ही नियंत्रित कर लिया गया और लोगों के लिए कोई बड़ा खतरा नहीं है। हादसे के कारण कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य हो गई।

ब्राजील में पुलिस कार्रवाई, ड्रग माफिया समेत आठ मारे गए

रियो डी जेनेरियो , एजेंसी। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में पुलिस ने एक बड़े ऑपरेशन में 8 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक कुख्यात ड्रग माफिया भी शामिल था। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई अपराधियों के खिलाफ की गई थी। इसके बाद बदमाशों ने एक बस में आग लगा दी और सड़कों को जाम कर दिया। पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया है और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं।

अमेरिका में कोविड मौतों पर नई रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। एक नई स्टडी में सामने आया है कि कोरोना महामारी के शुरुआती दौर में अमेरिका में वास्तविक मौतें आधिकारिक आंकड़ों से कहीं ज्यादा थीं। रिपोर्ट के अनुसार 2020 और 2021 में करीब 8.4 लाख मौतें दर्ज की गईं, लेकिन लगभग 1.55 लाख मौतें ऐसी थीं जो रिकॉर्ड में शामिल नहीं हो पाईं। यानी करीब 16 प्रतिशत मौतें गिनी ही नहीं गईं। शोधकर्ताओं ने बताया कि ज्यादातर अनगिनी मौतें अस्पताल के बाहर हुईं, जहां लोगों का टेस्ट नहीं हो पाया। खासकर हिस्पैनिक और अन्य गरीब समुदाय ज्यादा प्रभावित हुए। शुरुआती समय में टेस्टिंग की सुविधा कम थी और कई जगह मौत की जांच सही तरीके से नहीं हुई। इससे सही आंकड़े सामने नहीं आ पाए।

अनुतिन चर्नविराकुल बने रहेंगे थाईलैंड के प्रधानमंत्री, संसद में जीता विश्वास मत

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड की संसद में हुए मतदान में प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने जीत हासिल की है। अब वह अपने पद पर बने रहेंगे। गुरुवार को हुए इस मतदान में उन्हें 498 में से 293 वोट मिले। जो कि बहुमत के लिए जरूरी आंकड़े से यह कहीं ज्यादा है। राजा महा वजिरालोंगकोर्न से औपचारिक नियुक्ति मिलने के कुछ दिनों बाद वह अपना कार्यभार संभालेंगे। अनुतिन की 'भूमजईथाई पार्टी' ने फरवरी के चुनावों में 191 सीटें जीती थीं। उन्होंने 'फेउ थाई पार्टी' (74 सीटें) और अन्य दलों के साथ मिलकर गठबंधन सरकार बनाई है। दूसरी ओर, 120 सीटें जीतने वाली 'पीपुल्स पार्टी' विपक्ष में रहेगी। । 59 वर्षीय अनुतिन पिछले साल सितंबर में प्रधानमंत्री बने थे। उनसे पहले पैतोंगतार्न शिनावात्रा इस पद पर थीं, जिन्हें नैतिकता के उल्लंघन के कारण हटना पड़ा था। अनुतिन ने कंबोडिया के साथ सीमा विवाद के दौरान खुद को देश के रक्षक के रूप में पेश किया।

बेटी को युद्ध की ट्रेनिंग दे रहे किम जोंग उन! एक साथ की मिसाइलों को मारने वाले टैंक की सवारी

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने नए युद्धक टैंकों का अनावरण किया है। सरकारी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ये टैंक मिसाइल और ड्रोन हमलों को पूरी तरह से रोकने में सक्षम हैं। इस अवसर पर उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने अपनी सेना से युद्ध की तैयारियों को और तेज करने का आग्रह किया है। इस दौरान किम जोंग उन और उनकी बेटी एक बार फिर सार्वजनिक रूप से साथ नजर आए और दोनों ने टैंक में सवार होकर सैन्य प्रशिक्षण की निगरानी की। इससे पहले किम और उनकी बेटी ने एक साथ रॉकेट प्रक्षेपण देखा था और पिस्तौल चलाई थीं। इससे प्रतीत होता है कि उत्तर कोरियाई नेता अभी से अपनी बेटी को युद्ध की ट्रेनिंग देने में लगे हैं।

सैन्य अभ्यास और टैंक की खूबियां

आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने शुक्रवार को बताया कि किम जोंग उन ने उन सैन्य अभ्यासों का निरीक्षण किया, जिनमें दुश्मन की रक्षा पंक्तियों पर हमले, छापेमारी और कब्जे का अभ्यास (सिमुलेशन) किया गया था। इस टैंक ने अलग-अलग स्थितियों और दिशाओं से हमला करने वाली 100% एंटी-टैंक मिसाइलों और ड्रोनों को सफलतापूर्वक रोक दिया। एजेंसी ने कहा कि यह प्रदर्शन टैंक की सक्रिय सुरक्षा प्रणाली की उच्च दक्षता को साबित करता है।

किम जोंग उन ने बताया कि इस नए टैंक को विकसित करने में सात साल का समय लगा है। इसे विशेष रूप से युद्ध के मैदान में इसके 'सर्वाइवल रेट' (बचने की क्षमता) को बेहतर बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह अब देश के मुख्य युद्धक टैंक के रूप में काम करेगा और उत्तर कोरियाई सेना के रात्रि अभियानों की क्षमता को भी काफी बढ़ाएगा।

उत्तराधिकारी के रूप में बेटी 'जू ए' की बढ़ती भूमिका : सरकारी मीडिया द्वारा जारी की गई तस्वीरों में किम जोंग उन को अपनी बेटी के साथ एक टैंक की सवारी करते हुए देखा गया। तस्वीरों में किम और उनकी बेटी बृहस्पतिवार को प्रशिक्षण के दौरान चमड़े की काली जैकेट पहने अन्य सैनिकों के साथ जैतूनी-हरे रंग के एक टैंक पर सवार दिखे। तस्वीरों में किम की बेटी टैंक के 'हैच' से अपना सिर बाहर निकाले नजर आ रही हैं जबकि किम टैंक के ऊपर बैठे मुस्कुराते दिख रहे हैं।

दक्षिण कोरिया के खुफिया अधिकारियों का मानना है कि इस लड़की की पहचान 'जू ए' के रूप में हुई है और अब वह उस चरण में प्रवेश कर चुकी हैं जहां उन्हें आधिकारिक तौर पर उत्तर कोरिया के अगले नेता (उत्तराधिकारी) के रूप में नामित किया जा रहा है। ब्लूमबर्ग ने क्यूंगनाम विश्वविद्यालय के 'इंस्टीट्यूट फॉर फार ईस्टर्न स्टडीज' के प्रोफेसर लिम यूल-चुल के हवाले से लिखा है कि 'किम जू ए अब महज एक साधारण पर्यवेक्षक की भूमिका से आगे बढ़ रही हैं और खुद को एक योद्धा तथा कमांडर दोनों के रूप में स्थापित कर रही हैं।'

ऐसा बताया जाता है कि किम जोंग उन की बेटी किम जू ऐ की आयु लगभग 13 साल है और वह 2022 के अंत से ही सैन्य परेड और हथियार प्रक्षेपण सहित कई प्रमुख कार्यक्रमों में अपने पिता के साथ नजर आती रही हैं। ऐसी अटकलें हैं कि किम जोंग उन अपनी बेटी को अपना उत्तराधिकारी नामित करने वाले हैं। उत्तर कोरियाई सरकारी मीडिया उन्हें किम जोंग उन की 'सबसे प्रिय' संतान बताता है।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध और चिंताएं

उत्तर कोरिया अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की अवहेलना करते हुए लगातार अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत कर रहा है। हाल के वर्षों में उसने ड्रोन, लोइटरिंग मूनिशन्स (आत्मघाती ड्रोन) और उन्नत मिसाइलों के माध्यम से अपनी सेना के आधुनिकीकरण के प्रयासों को काफी तेज कर दिया है। इसके अलावा, अमेरिका ने चेतावनी दी है कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद करने के लिए सैनिक और सैन्य उपकरण भेजकर उत्तर कोरिया आधुनिक युद्ध का बहुमूल्य अनुभव प्राप्त कर रहा है।

ट्रम्प ने जापानी पीएम की मौजूदगी में कहा- हमें भी पर्ल हार्बर हमले की जानकारी नहीं थी, वैसा ही हमने ईरान में किया

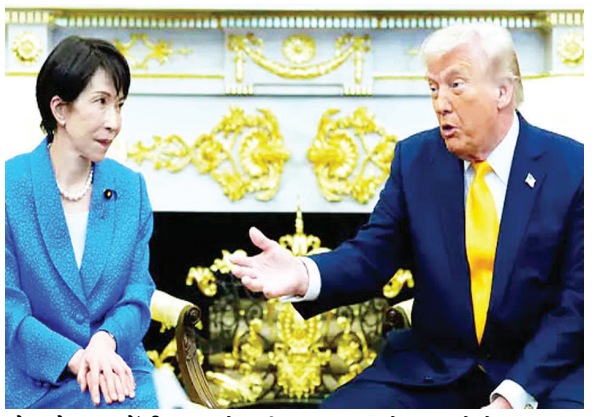

टोक्यो, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने गुरुवार को जापान की प्रधानमंत्री को उस समय चौंका दिया, जब उन्होंने 1941 में हुए पर्ल हार्बर हमले का जिक्र कर दिया। ट्रम्प ने यह बात हल्के अंदाज में कही, लेकिन यह टिप्पणी जापान के लिए असहज करने वाली मानी जा रही है।

ट्रम्प ने पीएम साने ताकाइची के साथ एक बैठक के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। तब उनसे एक रिपोर्टर ने पूछा- अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला करने से पहले अपने सहयोगियों को क्यों नहीं बताया।

इस पर ट्रम्प ने कहा, 'हमने किसी को नहीं बताया क्योंकि हम सरप्राइज देना चाहते थे। सरप्राइज के बारे में जापान से बेहतर कौन जानता है?' उन्होंने एक जापानी पत्रकार से मजाकिया लहजे में कहा, 'तुमने मुझे पर्ल हार्बर के बारे में क्यों नहीं बताया? 'ताकाइची, जो ट्रांसलेटर के जरिए बात समझ रही थीं, उन्होंने कुछ नहीं कहा, लेकिन ऐसा लगा कि वह यह सुनकर असहज हो गई थीं।

दरअसल, 7 दिसंबर 1941 को जापान ने अमेरिका के हवाई स्थित पर्ल हार्बर सैन्य अड्डे पर अचानक हमला किया था। इस हमले में 2400 से ज्यादा अमेरिकी मारे गए थे। इसके बाद अमेरिका द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल हो गया था।

लंदन में 2 भारतीयों ने सड़क पर पान थूका, डेढ़ लाख रुपए का जुर्माना लगा

लंदन , एजेंसी। लंदन के ब्रेंट इलाके में सार्वजनिक जगह पर पान थूकने के मामले में भारतीय मूल के दो लोगों पर 1,391 पाउंड (करीब 1.45 लाख रुपये) का जुर्माना लगाया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों लोगों को पहले मौके पर ही 100 पाउंड का जुर्माना भरने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने इसे नहीं भरा। इसके बाद मामला कोर्ट पहुंच गया और जुर्माना कई गुना बढ़ गया।

ब्रेंट सिटी काउंसिल ने पान थूकने के खिलाफ सख्त अभियान शुरू किया हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि इससे सार्वजनिक जगहें गंदी होती हैं और सफाई पर काफी खर्च बढ़ जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, काउंसिल को हर साल करीब 30,000 पाउंड (लगभग 30 लाख रुपये) सिर्फ पान के दाग साफ करने में खर्च करने पड़ते हैं। पहला मामला एडगवेयर इलाके के रहने वाले अक्षीतकुमार भद्रे पटेल का है। उन्होंने जून 2025 में किंग्सबरी रोड पर एक मेट्रो स्टेशन के पास पान थूका था। वे कोर्ट में पेश नहीं हुए, इसलिए उनके खिलाफ फैसला उनकी गैरमौजूदगी में ही सुनाया गया। समय पर जुर्माना न भरने के कारण उनकी रकम 10 गुना से ज्यादा बढ़ गई। दूसरा मामला रुइसलिप इलाके के रहने वाले हितेश पटेल का है। उन्होंने वेम्बली हिल रोड पर पान थूका था। वे भी कोर्ट में पेश नहीं हुए और उनके खिलाफ भी गैरहाजिरी में ही फैसला हुआ, जिससे उन पर भी भारी जुर्माना लगा।

उत्तर-पश्चिम लंदन के ब्रेंट और आसपास के इलाकों में पान थूकने की समस्या बढ़ रही है, जिस पर स्थानीय प्रशासन सख्त हो गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, पान के दाग हटाना मुश्किल और महंगा होता है, इसके लिए खास तरीके से सफाई करनी पड़ती है। काउंसिल ने 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाई है। इसके तहत जगह-जगह चेतावनी वाले बैनर लगाए जा रहे हैं, अधिकारी गश्त कर रहे हैं और मौके पर ही 100 पाउंड तक का जुर्माना लगाया जा रहा है।

बालेंद्र शाह 27 को लेंगे प्रधानमंत्री पद की शपथ और सांसद 26 मार्च को; चुनाव में RSP को मिली थीं 182 सीटें

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के वरिष्ठ नेता बालेंद्र शाह 27 मार्च को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। एक दिन पहले सांसदों को शपथ दिलाई जाएगी। 5 मार्च को हुए प्रतिनिधि सभा चुनाव में आरएसपी ने 182 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। पार्टी ने चुनाव से पहले ही बालेंद्र शाह को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया था।

आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने, वरिष्ठ नेता शाह तथा उपाध्यक्ष द्वय डीपी अर्याल और स्वर्णिम वाग्ले के बीच हुई बैठक में शपथ की तारीख तय की गई। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि पीएम पद की शपथ से पहले 26 मार्च को संघीय संसद सचिवालय ने 26 मार्च को दोपहर 2 बजे सांसदों के शपथ ग्रहण का कार्यक्रम तय है। इसके तुरंत बाद आरएसपी

सरकार गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगी।

अस्थायी हॉल में होगा शपथ ग्रहण : संघीय संसद सचिवालय के प्रवक्ता एकराम गिरी के अनुसार सिंहदरबार परिसर के भीतर निर्माणाधीन नए संसद भवन के पूरी तरह तैयार न होने के कारण शपथ ग्रहण समारोह अस्थायी हॉल में होगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर माइक्रोफोन, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक आधारभूत संरचनाओं की स्थापना का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। नेपाल निर्वाचन आयोग राष्ट्रपति पौडेल को आज सौंपेगा अंतिम चुनाव नतीजे नेपाल के निर्वाचन आयोग ने कहा है कि वह शुक्रवार दोपहर को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को चुनाव के अंतिम नतीजे पेश करेगा। प्रतिनिधि सभा के चुनाव पांच मार्च, 2026 को हुए, जिसमें 275 सदस्यीय निचले सदन (प्रतिनिधि सभा) के लिए मतदान हुआ। निचले सदन में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को 182 सीटें, नेपाली कांग्रेस को 38 सीटें, सीपीएन-यूएमएल को 25, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को 17, श्रम संस्कृति पार्टी को सात और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी को पांच सीटें मिली हैं। निचले सदन के 275 सदस्यों में से 165 सदस्य प्रत्यक्ष मतदान द्वारा और 110 सदस्य आनुपातिक मतदान द्वारा चुने जाते हैं। आरएसपी ने साधारण बहुमत यानी 138 सीटों से अधिक सीटें हासिल कर ली हैं। पार्टी को दो-तिहाई बहुमत से के लिए केवल दो सीटों की जरूरत है। राष्ट्रपति नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू करेंगे। हार के बाद गगन थापा का कांग्रेस सभापति पद से इस्तीफा नेपाली कांग्रेस के सभापति गगन कुमार थापा ने प्रतिनिधि सभा चुनाव में पार्टी की करारी हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बुधवार को उन्होंने अपना त्यागपत्र पार्टी के उपसभापति विश्वप्रकाश शर्मा को सौंपा। थापा इसी वर्ष 15 जनवरी को विशेष महाधिवेशन के जरिये सभापति निर्वाचित हुए थे। 5 मार्च को हुए चुनावों में कांग्रेस ने बदला कांग्रेस, बदलेगा देश के नारे के साथ थापा को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया था।

अफगानिस्तान पर हमला कर इस्लामी दुनिया के निशाने पर आया पाकिस्तान, मुस्लिम धर्मगुरुओं ने की निंदा

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान पर हवाई हमला कर 400 लोगों की जान लेने के चलते पाकिस्तान इस्लामी दुनिया के भी निशाने पर आ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुस्लिम विद्वान संघ ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हवाई हमले की कड़ी निंदा की है। अफगानिस्तान के टोलो न्यूज ने यह जानकारी दी है। मुस्लिम विद्वानों ने पाकिस्तानी हमले को इस्लामी सिद्धांतों और अंतरराष्ट्रीय कानून, दोनों का उल्लंघन बताया।

पाकिस्तान के हवाई हमले की जांच की मांग : टोलो न्यूज के अनुसार, मुस्लिम धर्मगुरुओं ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर

चिंता जताते हुए पाकिस्तान और उसके सैन्य नेतृत्व से इस तरह की कार्रवाईयों को तुरंत रोकने की अपील की और साथ ही रिहैब अस्पताल पर हवाई हमले की जांच कराने की भी मांग की। मुस्लिम धर्मगुरुओं के संघ ने जांच के लिए पारदर्शी, स्वतंत्र आयोग का गठन करने की अपील भी की। पाकिस्तान ने अस्थायी तौर पर रोका ऑपरेशनइससे पहले पाकिस्तान ने ईद-उल-फितर के चलते मित्र इस्लामी देशों के अनुरोध पर अफगान तालिबान के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन गजब लिल हक को अस्थायी तौर पर रोकने का फैसला किया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने बुधवार को यह जानकारी दी। तरार ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'आगामी इस्लामी त्योहार ईद-उल-फितर के मद्देनजर, अपनी पहल पर और साथ ही सऊदी अरब साम्राज्य, कतर और तुर्किये जैसे मित्र इस्लामी देशों के अनुरोध पर, इस्लामी गणराज्य पाकिस्तान की सरकार ने अफगानिस्तान में आतंकवादियों और उनके ठिकानों के खिलाफ ऑपरेशन गजब लिल हक को अस्थायी विराम देने का फैसला किया है।' पाकिस्तानी ने एक नशा मुक्ति अस्पताल को बनाया था निशाना अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बीते दिनों एक अस्पताल पर हुए पाकिस्तानी हवाई हमले में कम से कम 400 लोग मारे गए और करीब 250 घायल हो गए। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने कहा है कि पाकिस्तानी हवाई हमले में अस्पताल का एक बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया है।

पीएम नेतन्याहू बोले- यूएस को युद्ध में हमने नहीं घसीटा

तेलअवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ चल रहे युद्ध को लेकर बड़े दावे किए हैं। उन्होंने कहा, इस्राइल और अमेरिका के साझा हवाई हमलों के बाद अब ईरान के पास यूरेनियम संवर्धन करने या बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की ताकत नहीं बची है। नेतन्याहू के अनुसार, इस्राइल यह युद्ध जीत रहा है और ईरान की सैन्य शक्ति लगभग तबाह हो चुकी है।

क्या बोले नेतन्याहू : विदेशी मीडिया से बात करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइली सेना उन कारखानों को निशाना बना रही है, जहां मिसाइल और परमाणु हथियारों के पुर्जे बनते थे। उन्होंने दावा किया कि ईरान का मिसाइल और ड्रोन भंडार अब खत्म होने की कगार पर है। हालांकि, उन्होंने ईरान की परमाणु क्षमता खत्म होने के दावों के पक्ष में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया।

आरोपों को किया खारिज : नेतन्याहू ने उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया कि उन्होंने अमेरिका को इस युद्ध में जबरदस्ती घसीटा है। उन्होंने कहा कि इस्राइल ने ईरान में जो भी कार्रवाई की, वह उसका अपना स्वतंत्र फैसला था। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बचाव करते हुए कहा, 'क्या किसी को सच में लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप को कोई बता सकता है कि उन्हें क्या करना है?' नेतन्याहू के मुताबिक, ट्रंप हमेशा वही फैसला लेते हैं जो अमेरिका के लोगों के लिए अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि इस्राइल और अमेरिका की सेनाएं और खुफिया एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं, जिससे युद्ध के लक्ष्य तेजी से पूरे हो रहे हैं।

मौत की अफवाहों पर क्या बोले नेतन्याहू : अपनी सेहत को लेकर चल रही अफवाहों पर चुटकी लेते हुए नेतन्याहू ने कहा, 'सबसे पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि मैं जिंदा हूं।' उन्होंने ईरान के मुद्दे पर ट्रंप के साथ अपनी आपसी समझ की तारीफ की और कहा कि पूरी दुनिया ट्रंप की कर्जदार है।

गैस क्षेत्रों पर हमलों को लेकर नेतन्याहू ने बताया कि इस्राइल ने ईरान के 'साउथ पार्स' गैस कंपाउंड पर अकेले हमला किया था। लेकिन अब राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध पर इस्राइल ने ईरान के गैस क्षेत्रों पर और हमले रोक दिए हैं। ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है कि अगर उसने कतर पर हमला किया, तो अमेरिका जवाबी कार्रवाई करेगा और उस पूरे क्षेत्र को तबाह कर देगा। ईरान की अंदरूनी स्थिति पर नेतन्याहू ने कहा कि वहां की सरकार में दरारें दिखने लगी हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के बड़े अधिकारियों के बीच इतना तनाव है कि यह कहना मुश्किल है कि इस समय वहां की सरकार कौन चला रहा है। नेतन्याहू के अनुसार, ईरान की सरकार गिरने की परिस्थितियां तैयार हैं, लेकिन अब वहां की जनता को तय करना है कि वे कब विद्रोह करते हैं।

ईरान युद्ध के बीच तेल संकट से पस्त हो गया पाकिस्तान, लागू कर दिए कोरोना काल जैसे नियम

इस्लामाबाद, एजेंसी। ईरान और अमेरिका-इजरायल के युद्ध के बीच पाकिस्तान में फ्यूल का बड़ा संकट पैदा हो गया है। ऐसे में पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने अपनी जनता से साफ कह दिया है कि पेट्रोल-डीजल समेत बाकी फ्यूल का इस्तेमाल सीमित कर दें। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में फैसला किया गया है कि सरकारी अधिकारियों के पेट्रोल खर्च में भी कंट्रोल किया जाएगा। पाकिस्तान की सरकार ने सभी सरकारी कार्यालयों को चार दिन का कार्य सप्ताह घोषित करने का आदेश दे दिया है। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि जिन विभागों में संभव हो उनमें 50 फीसदी कर्मचारियों से वर्क फ्रॉम होम करवाया जाए।

कोरोना काल जैसै नियम लागू : जानकारों का कहना है कि पाकिस्तान में कोरोना काल जैसे नियम लागू कर दिए गए हैं। पाकिस्तान की सरकार को डर सता रहा है कि कहीं ऐसा ना हो कि पेट्रोल-डीजल के भंडार पूरी तरह से खाली हो जाएं। पाकिस्तान सरकार ने अधिकारियों के फ्यूल खर्च में 50 फीसदी की कटौती की है। शहबाज शरीफ के कार्यालय के मुताबिक तेल का आयात कम होने की वजह से भविष्य में संकट दिखाई पड़ रहा है। अगर ईरान युद्ध समाप्त नहीं होता है तो आने वाले समय में संकट बहुत गहरा सकता है।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने प्रांतों को भी निर्देश दिया है कि वे पेट्रोलियम के खर्च में कटौती करें। सारी स्थितियों पर पाकिस्तान का खुफिया विभाग भी नज रखा रहा है। आईबी से कहा गया है कि वह पूरे देश की स्थितियों को लेकर रिपोर्ट सरकार को सौंपे। इसके अलावा शहबाज सरकार ने जनता से भी कहा है कि जितना कम हो सके वह पेट्रोल और डीजल का इस्तेमाल करे।

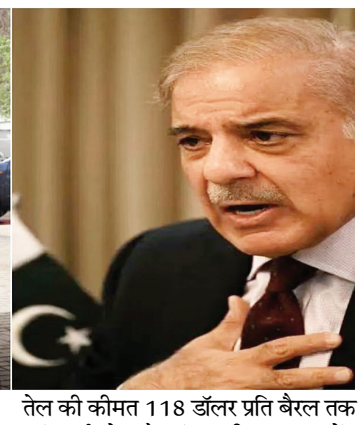

शहबाज शरीफ ने कहा कि आने वाली किसी भी स्थिति के लिए देश को तैयार रहना चाहिए। लोगों को सलाह दी गई है कि वे कार पूलिंग करें और कम से कम पेट्रोल खर्च करें। इजराइल और अमेरिका द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर हमलों के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमत 118 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। तेल के अंतरराष्ट्रीय मानक 'ब्रेंट क्रूड' की कीमत युद्ध शुरू होने के बाद से 60 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई है। कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान के हमलों की निंदा की। अरब लीग के महासचिव अहमद अबूल घीत ने इसे खतरनाक तरीके से उकसावे वाला बताया।

सऊदी अरब ने बताया कि एक ड्रोन ने लाल सागर के किनारे स्थित बंदरगाह शहर यानबू में देश की एसएएमआरईएफ रिफाइनरी पर बृहस्पतिवार को हमला किया। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है लेकिन उसने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया। यह हमला कुवैत की दो तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमले के बाद हुआ।

ईरान ने फारस की खाड़ी में 'साउथ पार्स' प्राकृतिक गैस क्षेत्र पर बुधवार को किये गये इजराइली हमले के जवाब में ये हमले किए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आश्वासन दिया कि इजराइल ईरान के प्रमुख गैस क्षेत्र 'साउथ पार्स' पर और हमले नहीं करेगा लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि अगर ईरान ने कतर पर फिर हमला किया तो अमेरिका जवाबी कार्रवाई करेगा और उस ''पूरे क्षेत्र को उड़ा देगा।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समस्त देशवासियों को चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान जयंती -2026
चैत्रशुक्ल पक्ष अष्टमी 2330वी जन्म जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ
सदर आमंत्रण

एयरलाइंस बढ़ा सकती हैं हवाई किराया

● बोलीं: मजबूरन लेना पड़ेगा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो, एअर इंडिया और स्पाइस जेट ने फ्लाइट्स की 60% सीटों पर एक्स्ट्रा चार्ज न वसूलने के सरकार के फैसले विरोध किया है। एयरलाइंस का कहना है कि इस कदम से उन्हें अपनी खोई हुई कमाई की भरपाई के लिए हवाई किराया बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ेगा। तीनों एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करने वाली फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (FIA) ने सिविल एविएशन मिनिस्ट्री से इस फैसले को वापस लेने का आग्रह किया है। फेडरेशन ने कहा... इस निर्देश से एयरलाइंस की वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित होगी। इसके परिणामस्वरूप सभी यात्रियों को, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं, जो शायद पहले से सीटें नहीं चुनना चाहते, उन्हें भी अधिक किराया देना पड़ेगा। दरअसल, एविएशन मिनिस्ट्री ने बुधवार को भारत में हवाई यात्रा को ज्यादा सुविधाजनक बनाने के लिए नए नियम जारी किए थे। नए आदेश के मुताबिक एयरलाइंस की हर फ्लाइट में कम से कम 60% सीटें बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के बुक होंगी। ये निर्देश घरेलू फ्लाइट्स पर लागू होंगे। एयरलाइंस के लिए सीट चुनने का शुल्क कमाई का एक वैध (सही) तरीका है।

3 अप्रैल नौसेना में शामिल होगा 'तारागिरी'

● युद्धपोत, 75 फीसदी स्वदेशी उपकरणों से तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना अपनी स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट 'तारागिरी' को 3 अप्रैल को विशाखापत्तनम में शामिल करने जा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस समारोह की अध्यक्षता करेंगे। यह कदम देश की नौसेना शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 'तारागिरी' प्रोजेक्ट 17ए श्रेणी का चौथा और मझगांव डॉक शिपबिल्डिंग लिमिटेड (एमडीएल), मुंबई द्वारा निर्मित तीसरा युद्धपोत है। इसे पिछले साल 28 नवंबर को नौसेना को सौंपा गया था। यह 6,670 टन वजनी फ्रिगेट 'मेक इन इंडिया' भावना और स्वदेशी इंजीनियरिंग क्षमताओं का प्रतीक है। नौसेना के एक प्रवक्ता ने कहा, ह्ययह समारोह भारत की समुद्री संप्रभुता के लिए एक निर्णायक क्षण होगा।ह्ण यह युद्धपोत नौसेना डिजाइन, स्टील्थ, मारक क्षमता और स्वचालन में एक बड़ी छलांग दशार्ता है। इसमें संयुक्त डीजल या गैस (उडउ्रऊ) प्रोपल्शन संयंत्र है, जो इसे उच्च गति और लंबी सहनशक्ति प्रदान करता है। 'तारागिरी' बहु-आयामी समुद्री अभियानों के लिए डिजाइन की गई है। इसमें 75 फीसदी स्वदेशी उपकरणों का इस्तेमाल हुआ है, जो 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को समर्थन देता है और हजारों भारतीय रोजगार पैदा करता है।

मथुरा में साधु की मौत पर हंगामा, पथराव

पुलिस की गाड़ियां तोड़ीं, आरोप: गोतस्करों ने ट्रक से कुचला, पुलिस बोली- हादसा

मथुरा (एजेंसी)। साधु चंद्रशेखर सिंह (45) की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। वह ह्यफरसा वाले बाबाह्ण के नाम से मशहूर थे। घटना के बाद जमकर हंगामा हुआ। गुस्साए लोगों ने बाबा का शव रखकर हाईवे जाम कर दिया। बाबा के एक साथी ने दावा किया- शनिवार तड़के बाबा 2 साथियों के साथ ट्रक का पीछा कर रहे थे। ट्रक में गोवंश होने की सूचना थी। ट्रक को ओवरटेक कर बाबा ने सामने बाइक खड़ी कर दी। तभी अचानक ड्राइवर ने रफ्तार बढ़ा दी और बाबा को कुचलते हुए भाग गया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, हादसे के बाद एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें बाबा जमीन पर पड़े हैं और उनके पास म्यान के साथ एक तलवार भी पड़ी है। जबकि, राजस्थान नंबर का ट्रक के आगे का हिस्सा डैमेज दिख रहा है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि शक के आधार पर बाबा एक ट्रक को रोककर चेकिंग कर रहे थे। सुबह कोहरा होने की वजह से पीछे से आ रहे ट्रक ने खड़े ट्रक को टक्कर मार दी। बाबा इसकी चपेट में आ गए। ट्रक चालक भी घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उ्रऊ शैलेश पांडे ने साफ किया कि ट्रकों में कोई गोवंश नहीं था। दरअसल, बाबा की मौत कोसीकलां के कोटवन थाना क्षेत्र में हुई। घटना की जानकारी इलाके में आग की तरह फैली। देखते-ही-देखते हजारों की भीड़ छाता थाना क्षेत्र में दिल्ली-मथुरा हाईवे पर जमा हो गई। उन्होंने बाबा का शव रखकर हाईवे जाम कर दिया। आरोपियों के एनकाउंटर की मांग करने लगे। शव कब्जे में लेने और जाम खुलवाने पहुंची पुलिस को लोगों ने खदेड़ दिया।

पुलिस बोली: सड़क हादसे में जान गई

बाबा की मौत मामले में बवाल के करीब 2 घंटे बाद पुलिस और प्रशासन की ओर से बयान जारी किया गया। बताया गया कि सुबह 4 बजे हरियाणा सीमा थाना क्षेत्र कोसी पर वाहन में गोवंश होने की सूचना मिली थी। फरसा वाले बाबा अपने शिष्यों के साथ नगालैंड नंबर के कंटेनर को रोककर चेकिंग कर रहे थे। कंटेनर में साबुन, फिनाइल, शैंपू भरा था। घने कोहरे की वजह से राजस्थान नंबर के तेल से भरे ट्रक ने कंटेनर को पीछे से टक्कर मार दी। इसकी चपेट में आने से बाबा की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक चालक भी घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। लोगों की तरफ से भ्रामक सूचना के कारण जाम और पथराव की घटना हुई। लोगों को समझाया गया। घटना के संबंध में हर पहलू की जांच की जाएगी।

राजनाथ बोले: पहाड़ का पानी- जवानी यहीं के काम आनी चाहिए

उत्तराखंड के सीएम साधारण नहीं धुरंधर, धामी ने रक्षा मंत्री को बताया अजातशत्रु

हल्द्वानी (एजेंसी)। धामी सरकार के 4 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्होंने नहीं सोचा था कि उत्तराखंड इतनी तेजी से विकसित होगा। उन्होंने कहा कि पहाड़ का पानी और जवानी अब यहीं के काम आनी चाहिए। रक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की तारीफ करते हुए कहा कि वह साधारण नहीं, बल्कि धुरंधर हैं। उन्होंने कहा कि धामी के नेतृत्व में प्रदेश ने विकास की नई रफ्तार पकड़ी है और लगातार आगे बढ़ रहा है। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में रक्षा मंत्री का स्वागत करते हुए उन्हें अजातशत्रु बताया। उन्होंने कहा कि उनका अनुभव और मार्गदर्शन प्रदेश के लिए हमेशा महत्वपूर्ण रहा है और उनकी मौजूदगी से कार्यक्रम में नई ऊर्जा आई है। कार्यक्रम में राजनाथ सिंह को सुनने के लिए करीब 15 हजार से ज्यादा लोग पहुंचे थे, जिन्हें संबोधित करने के बाद रक्षा मंत्री अब पंतनगर एयरपोर्ट की ओर रवाना हो गए और फिर यहीं से वह दिल्ली के लिए निकल गए। राजनाथ सिंह ने कहा कि किसी ने कल्पना नहीं की थी कि सीमित संसाधनों और नए राज्य होने के बावजूद उत्तराखंड इतनी तेजी से विकास करेगा। उन्होंने अपने अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि वह खुद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं, इसलिए विकास की गति को समझते हैं और उत्तराखंड की प्रगति असाधारण है। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की तारीफ करते हुए कहा कि वह साधारण नहीं, बल्कि धुरंधर नेता हैं। उन्होंने कहा कि धामी के नेतृत्व में राज्य ने नई रफ्तार पकड़ी है और विकास के कई अहम काम जमीन पर दिख रहे हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि जब छह वर्ष पूरे होंगे, तो वह छक्का लगाने में भी सफल होंगे और राज्य को और आगे ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह जनता का समर्थन मिल रहा है, उससे साफ है कि आने वाले चुनावों में भारतीय जनता पार्टी एक तिहाई बहुमत के साथ फिर से सरकार बनाएगी और विकास की रफ्तार जारी रहेगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तराखंड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि देवभूमि और तपोभूमि है। यहां की आस्था, अध्यात्म और संस्कृति पूरे देश को दिशा देती है और यह प्रदेश आध्यात्मिक चेतना के साथ-साथ विकास में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

'पूरा देश जनता है उत्तराखंड देवभूमि और तपोभूमि'

रक्षा मंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचे के विस्तार, पर्यटन को नई दिशा देने, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे हर क्षेत्र में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रभावशाली काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और राज्य सरकार के प्रयासों से उत्तराखंड आज अध्यात्म और आधुनिकता का सुंदर संगम बन गया है और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि पूरा देश जानता है कि उत्तराखंड देवभूमि और तपोभूमि है।

ममता बनर्जी बोलीं: पीएम मोदी सबसे बड़े घुसपैठिए

■ बंगाल में अघोषित राष्ट्रपति शासन लगाया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी को सबसे बड़ा घुसपैठिया बताया। उन्होंने कहा- जब आप विदेश जाते हैं तो नेताओं से हाथ मिलाते हैं और दोस्ती की बात करते हैं। लेकिन जब आप भारत लौटते हैं तो अचानक हिंदू-मुस्लिम नैरेटिव शुरू हो जाता है और लोगों को घुसपैठिया कहा जाता है। कोलकाता की रेड रोड पर ईद की नमाज के बाद नमाजियों को संबोधित करते हुए TMC सुप्रीमो ने कहा, 'फिर आप नाम हटाने और लोगों को घुसपैठिया बताने की बात करते हैं। मैं कहूंगी, आप बड़े घुसपैठिए हैं। उन्होंने कहा, आपने हमारी सरकार पर कब्जा कर लिया है और अनऑफिशियल प्रेसिडेंट रूल लगा दिया है। लेकिन हम डरेंगे नहीं। जो लोग बंगाल को निशाना बना रहे हैं और लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें जहन्नुम में जाना चाहिए। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे इखढ की ह्यइ-टीमह्ण की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को बात समझने में दिक्कत होती है। राहुल ने कहा था कि देश के बाकी विपक्षी नेताओं को केंद्रीय एजेंसियां बुला रही हैं या गिरफ्तार कर रही हैं, लेकिन केरल के मुख्यमंत्री के साथ ऐसा नहीं हो रहा। शिवसेना सांसद संजय राउत ने देश में चुनावों की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावों में छेड़छाड़, दबाव और हेरफेर हो रहा है। उन्होंने नरेंद्र मोदी के भारत की लोकतंत्र को लेकर किए गए दावों को चुनौती दी और संयुक्त राष्ट्र से चुनावों की निगरानी के लिए ऑब्जर्वर भेजने की मांग की। राउत ने कहा कि पंचायत से लेकर लोकसभा तक, हाल के वर्षों में कोई भी चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष तरीके से नहीं हुआ है।

ईरान के नतांज न्यूक्लियर प्लांट पर हमला: इस जंग में दूसरी बार निशाना बनाया गया

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 22वां दिन है। ईरान के तसनीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, आज सुबह अमेरिका और इजराइल ने ईरान के नतांज न्यूक्लियर सेंटर पर हवाई हमला किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस हमले में अभी तक किसी भी तरह का रेडियोएक्टिव (खतरनाक परमाणु) रिसाव नहीं हुआ है। इस इलाके के आसपास रहने वाले लोगों को कोई खतरा नहीं है। इजराइल और अमेरिका ने इससे पहले 2 मार्च को भी इस प्लांट पर हमला किया था। यह ईरान का सबसे बड़ा न्यूक्लियर सेंटर है, यहां यूरेनियम इनरिचमेंट किया जाता है। इसकी एक खास बात यह है कि इसका बड़ा हिस्सा जमीन के नीचे बना हुआ है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि किसी हमले से इसे बचाया जा सके। अमेरिका ने कहा है कि ईरान को तेल बेचने की इजाजत देने के बाद भी उसे ज्यादा पैसा नहीं मिलेगा। अमेरिका ने कुछ समय के लिए करीब 14 करोड़ बैरल तेल बेचने की छूट दी है, लेकिन यह सिर्फ उस तेल पर लागू है जो पहले से जहाजों में भरा हुआ है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बसेंट ने कहा कि ईरान के लिए इस पैसे तक पहुंच पाना मुश्किल होगा। यह छूट सिर्फ थोड़े समय के लिए है और 19 अप्रैल तक ही लागू रहेगी। यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि तेल की बढ़ती कीमतों को कम किया जा सके, क्योंकि होर्मुज स्ट्रेट में तनाव की वजह से सप्लाई पर असर पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान का ज्यादातर तेल चीन जाता है, लेकिन अब यह तेल दूसरे एशियाई देशों में भी जा सकता है।

पंजाब: आप मंत्री का नाम लेकर अफसर ने सुसाइड किया

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार के परिवहन मंत्री लालजीत भुल्लर का नाम लेकर सरकारी एजेंसी, वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के अमृतसर में तैनात डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (DM) गगनदीप सिंह रंधावा ने सुसाइड कर लिया। रंधावा ने जहर खाकर जान दे दी। मरने से पहले उन्होंने 12 सेकेंड का वीडियो जारी किया। इसमें कहा- खा ली सल्फास, मिनिस्टर लालजीत भुल्लर के डर से, अब मैं नहीं बचता। इस घटना का पता चलते ही CM भगवंत मान ने मंत्री भुल्लर से इस्तीफा ले लिया। मामले की जांच चीफ सेक्रेटरी केएपी सिन्हा को सौंप दी गई है। वहीं, मंत्री लालजीत भुल्लर ने कहा कि आरोप झूठे हैं। जांच प्रभावित न हो, इसलिए मैंने पद छोड़ा है। वरिष्ठ अकाली नेता बिक्रम मजीठिया और अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत औजला ने कहा- फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (FCI) ने मंत्री भुल्लर के इलाके में अनाज की स्टोरेज के लिए वेयरहाउस बनाया था। वेयरहाउस कॉर्पोरेशन इसकी नोडल एजेंसी थी। मंत्री लालजीत भुल्लर ने अपने पिता सुखदेव सिंह भुल्लर के नाम पर टेंडर अप्लाई किया।

ईद पर भोपाल में अमेरिका-इजराइल मुदार्बाद के नारे

राजस्थान: लोगों ने काली पट्टी बांधी, बंगाल में 'बाबरी मस्जिद' की साइट पर पहली बार नमाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में आज ईद मनाई गई है। इस दौरान अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का असर दौराने को मिला। शिया समुदाय के लोगों ने श्रीनगर, भोपाल, जयपुर, अजमेर, सीकर, बंगाल के मुर्शिदाबाद और यूपी के संभल में नमाज के दौरान लोग काली पट्टी बांधकर नमाज अता की। भोपाल के इमामबाड़ा में अयातुल्लाह अली खामेनेई की तस्वीर रखकर श्रद्धांजलि दी गई। तकरीर में मौलाना राजी उल हसन ने जुल्म के खिलाफ खड़े होने की बात कही। शिया समुदाय ने फतेहगढ़ इमामबाड़ा में काली ईद मनाई। नमाज के बाद अमेरिका और इजराइल मुदार्बाद के नारे लगे। राजस्थान के जयपुर, सीकर, अजमेर सहित कई जिलों में काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की गई। मस्जिदों पर काले झंडे लगाए गए थे। शिया समुदाय ने विरोध में आज नए कपड़े भी नहीं पहने। घरों में बनने वाले परंपरिक भोजन खीर, सेवइयां भी नहीं बनाई गईं। मस्जिदों में ईद की नमाज पढ़ने के लिए लोग इकट्ठे हो रहे हैं। ईद-उल-फित्र के मौके पर राजस्थान के अजमेर में ख्वाजा गरीब नवाज दरगाह शरीफ में सुबह 5 बजे दरगाह का 'जन्नती दरवाजा' खोला गया। PDP प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बडगाम में ईद की नमाज अदा की। इस दौरान उन्होंने कहा, "आज, हम सभी की ओर से, पूरे मुस्लिम समुदाय को अपनी शुभकामनाएं देते हैं। हम अल्लाह ताला से दुआ करते हैं कि वह हमारे रोजे कुबूल फरमाएं। हम सभी से यह अपील भी करते हैं कि वे अल्लाह से दुआ करें कि इस समय मुस्लिम समुदाय को जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, वे आसान हो जाएं चाहे वह फिलिस्तीन में हों, लेबनान में, या विशेष रूप से ईरान में।" पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बन रही 'बाबरी मस्जिद' की साइट पर नमाज की गई। इस दौरान लोगों ने एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं। ईद-उल-फितर की हार्दिक शुभकामनाएं। यह दिन आपसी भाईचारे और दया भाव को और मजबूत करे। सभी लोग खुश और स्वस्थ रहें। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और ळटउ सांसद अभिषेक बनर्जी कलकत्ता खिलाफत समिति के ईद-उल-फित्र समारोह में शामिल हुए। ईद-उल-फितर के मौके पर पार्लियामेंट स्ट्रीट मस्जिद में नमाज अदा करने के बाद, डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (DPAP) के चेयरमैन गुलाम नबी आजाद ने कहा, "ईद के मौके पर हम अल्लाह से दुआ करते हैं कि जंग और खून-खराबा, खासकर पश्चिम एशिया में जहां करीब 1 करोड़ भारतीय काम करते हैं जिससे देश को फायदा होता है खत्म हो और वहां अमन-चैन कायम हो।" पश्चिम बंगाल के कोलकाता में ईद-उल-फित्र के मौके पर नमाज अदा करने के लिए कोलकाता के रेड रोड पर बड़ी संख्या में लोग जमा हुए। यहां पिछले 2 दिन से बारिश हो रही है। लोग बारिश के बीच जश्न मनाते नजर आए। तमिलनाडु के कोयंबटूर के करुम्बक्कदाई में इस्लामिया मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल में बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए। ईद-उल-फितर पर नमाज अदा की। आंध्र प्रदेश में भी ईद-उल-फित्र के मौके पर, विजयवाड़ा के इंदिरा गांधी स्टेडियम में नमाज अदा की गई।

भारत बिना आमने-सामने की जंग की तैयारी कर रहा

अनंत शस्त्र समेत 6 प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू, सरकार इन पर 2.19 लाख करोड़ खर्च करेगी

नई दिल्ली। ईरान जंग के बीच भारत अब नॉन-कंटैक्ट वारफेयर यानी बिना आमने-सामने आए लड़ी जाने वाली जंग के लिए खुद को तैयार कर रहा है। सरकार अपनी सैन्य शक्ति को भविष्य की जरूरतों के मुताबिक ढालने के लिए सबसे बेहतर रक्षा तकनीकों पर तेजी से काम कर रही है। भारत ने न केवल 5th जेनरेशन (AMCA), बल्कि अब आधिकारिक तौर पर 6th जेनरेशन के फाइटर जेट्स के डिजाइन पर भी काम शुरू कर दिया है। साथ ही स्वदेशी एस-400 (LRSAM) जैसी लंबी दूरी की मिसाइल सिक्योरिटी सिस्टम, ड्रोन को तबाह करने वाले अनंत शस्त्र (QRSAM) पर भी युद्धस्तर पर काम शुरू हो चुका है। संसद में पेश की गई रक्षा समिति की रिपोर्ट्स में इसका खुलासा हुआ है। भारत फाइटर जेट्स के लिए शक्तिशाली स्वदेशी इंजन, नौसेना के लिए अभेद सुरक्षा कवच और अक व साइबर डिफेंस जैसे प्रोजेक्ट्स डेवलप कर रहा है। इसके अलावा अस्त्र, नाग और ध्रुवास्त्र जैसी मिसाइलों के मार्क-क्क वेरिएंट पर काम हो रहा है। देश का रक्षा दृष्टिकोण अब नॉन-कॉन्टैक्ट वॉरफेयर की चुनौतियों को देखते हुए आक्रामक और रक्षात्मक प्रौद्योगिकियों के बीच एक सटीक संतुलन बनाने पर केंद्रित है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी क्षमताओं को साबित किया था। अब 5th जेनरेशन के विमानों और 6th जेनरेशन की सोच (जैसे हाइपरसोनिक स्पीड और सी4आईएसआर सिस्टम) के साथ भविष्य के युद्धक्षेत्र के लिए पूरी तरह तैयार है। देश को मॉडर्न वॉरफेयर में सक्षम बनाने के लिए सरकार ने इसके लिए भारी-भरकम बजट का प्रावधान किया है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए डिफेंस इन्वेस्टमेंट में खर्च के लिए में 2,19,306.47 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह पिछले वर्ष के बजट अनुमान से 21.84% अधिक है। इसका बड़ा हिस्सा केवल सशस्त्र बलों के मॉडर्नाइजेशन और नए हथियारों की खरीद के लिए सुरक्षित रखा गया है। AI-साइबर डिफेंस: डीआरडीओ के बजट का बड़ा हिस्सा एआई हथियारों, साइबर सुरक्षा को बेहतर बनाने, दुश्मन के ऐसे ही हमलों को रोकने की तकनीक पर खर्च होगा।